website : - www.loktantramirror.live

लोकतंत्र मिरर

पृष्ठ : 8 | RNI Reg. No. MAHHIN/2017/74134 | वर्ष : 7 | अंक : 14 | मार्च 2023 | मूल्य : 10

भारतने रचाया ऑस्कर में इतिहास

'नाटू-नाटू' को बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग की कैटेगरी में ऑस्कर मिला अवॉर्ड

नई दिल्ली : फिल्मों के सबसे बडे. अवॉर्ड शो ऑस्कर अवॉर्ड पर पूरी दुनिया की नजर रहती है। इसमें किसी भी फिल्म का नॉमिनेट होना बडी बात मानी जाती है। इस साल १२ मार्च (आईएसटी ५.३० बजे, सोमवार) को ९५वें अकादमी पुरस्कार की घोषणा हुई, जिसमें भारत की चार फिल्में अलग-अलग कैटेगरी में नॉमिनेट हुई थीं। कुल २३ श्रेणियों में नॉमिनेशन घोषित किए गए। इसमें भारत ने दो ऑस्कर अपने नाम किए।

अपने पहले अकादमी पुरस्कार के लिए तैयार 'आरआरआर' के गाने 'नाटू-नाटू' को बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग की कैटेगरी में ऑस्कर मिला। गाने को हाल ही में क्रिटिक्स च्वाइस अवॉर्ड और गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड जीता। इसके अलावा ऑस्कर में बेस्ट भारतीय शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार 'द एलिफेंट व्हिस्पर्स' को मिला है। इन विनर्स के अलावा आइये जानते हैं बाकी विनर्स के बारे में।

ऑस्कर २०२३- सर्वश्रेष्ठ फिल्म

९५वें एकादमी पुरस्कार में 'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वंस' ने बेस्ट पिक्चर की कैटेगरी में बाजी मारी।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

यह अवॉर्ड ब्रेंडन फ्रेजर को उनकी फिल्म 'द व्हेल' के लिए दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार

इस कैटेगरी में शानदार अभिनय के लिए 'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वंस' की एक्ट्रेस मिशेल योह को ९५वां अकादमी पुरस्कार दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता

इस कैटेगरी में भी 'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वंस' के ही एक्टर ने बाजी मारी है। इसके लिए की हुई क्वान को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला।

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री

जेमी ली कर्टिस ने फिल्म 'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वंस' के लिए बेस्ट सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार जीता। यह उनका पहला ऑस्कर अवॉर्ड है।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक

'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वंस' के लिए डैनियल क्वान और डैनियल स्कीनर्ट ने ऑस्कर अवॉर्ड जीता।

डाक्यूमेंट्री फिल्म 'द एलीफेंट व्हिस्परर्स' ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित

सिनेमाटोग्राफी

जेम्स फ्रेंड ने 'ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट' पर अपने अच्छे काम के लिए सर्वश्रेष्ठ सिनेमाटोग्राफी का ऑस्कर अवॉर्ड जीता।

कॉस्ट्यूम डिजाइन

ऑस्कर २०२३ में बेस्ट कॉस्टयूम डिजाइन के लिए रूथ ई कार्टर ने अवॉर्ड जीता।

फिल्म एडिटिंग

'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वंस' से पॉल रोजर्स ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म एडिटिंग के लिए ९५वां अकादमी पुरस्कार जीता।

बेस्ट लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म

'एन आयरिश गुडबाय' ने सर्वश्रेष्ठ लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार जीता।

सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म

बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म के लिए 'नवलनी' ने अवॉर्ड जीता।

बेस्ट अंतरराष्ट्रीय फिल्म

सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फिल्म के लिए 'ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट' को अवॉर्ड मिला।

बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म अवॉर्ड

पहला ऑस्कर अवॉर्ड एनिमेटेड फीचर फिल्म के लिए पिनोचियो ने जीता।

बेस्ट हेयर और मेकअप अवॉर्ड

सर्वश्रेष्ठ हेयर और मेकअप अवॉर्ड 'द व्हेल' ने जीता।

बेस्ट एनिमेटेड शॉर्ट फिल्म

इस कैटेगरी में ऑस्कर का अवॉर्ड 'द बॉय, द मोल, द फॉक्स एंड द हॉर्स' को दिया गया है।

सर्वश्रेष्ठ संगीत ओरिजनल स्कोर

'ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट' के वोल्कर बर्टेलमैन ने सर्वश्रेष्ठ ओरिजनल स्कोर के लिए ९५वां अकादमी पुरस्कार जीता।

सर्वश्रेष्ठ राइटिंग (ओरि. स्क्रीनप्ले)

'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वंस' के लिए डैनियल क्वान और डैनियल स्कीनर्ट ने अवॉर्ड जीता।

सर्वश्रेष्ठ राइटिंग (एडॉप्टेड स्क्रीनप्ले)

'वुमन टॉकिंग' के लिए साराह पॉली को अवॉर्ड दिया गया।

बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन

'ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट' के लिए क्रिस्टियन गोल्डबेक और अर्नेस्टाइन हिपर को ऑस्कर मिला।

प्रसिद्ध अभिनेता व फिल्मकार सतीश कौशिक की मौत

पार्टी में शामिल २५ लोगों से होगी पूछताछ

३ दिन से फार्म हाउस पहुंचकर जांच कर रही पुलिस

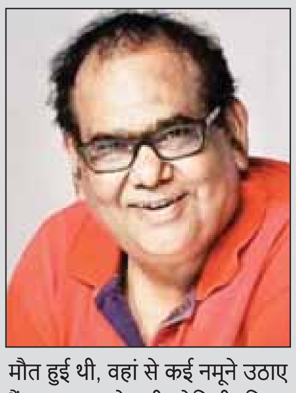

नई दिल्ली : प्रसिद्ध अभिनेता व फिल्मकार सतीश कौशिक की मौत मामले में दिल्ली पुलिस पर सवाल उठने के बाद दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने हर पहलुओं पर जांच शुरूकर दी है।

एसीपी स्तर के अधिकारी को इस मामले की जांच सौंपी गई है। अब तक करीब २० से अधिक कर्मचारी स्तर के लोगों के पुलिस बयान दर्ज कर चुकी है। पुलिस ने पाटी में शामिल २५ लोगों की सूची तैयारी की है। जिनमें दो बिल्डर और एक ज्वेलर भी शामिल हैं।

वहीं, मामले में यूपी के एक विधान परिषद सदस्य की भूमिका भी सामने आ रही है। पिछले तीन दिनों से कापसहेडा थाना पुलिस लगातार बिजवासन स्थित पुष्पांजलि मालू फार्म हाउस पहुंचकर विकास मालू के स्वजन व कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है।

काइम टीम भी दो दिन फार्म हाउस पहुंचकर पहली मंजिल का कमरा जहां पर सतीश कौशिक की मौत हुई थी, वहां से कई नमूने उठाए हैं। उक्त नमूने की रोहिणी स्थित फोरेंसिक साइंस लैब में जांच की जा रही है। पुलिस ने होली वाले दिन सतीश कौशिक के साथ पाटी में मौजूद खास २५ लोगों से भी पूछताछ करेगी।

कुबेर गुटखा कंपनी के मालिक विकास मालू का है फार्म हाउस

सूत्रों की मानें तो पाटी में दो बिल्डर, एक ज्वेलर भी शामिल थे, जिनकी दिल्ली पुलिस के कई विशेष आयुक्त स्तर के अधिकारियों से काफी नजदीकी है। फार्म हाउस कुबेर गुटखा कंपनी के मालिक विकास मालू का है। पुलिस उससे भी पूछताछ करेगी। उस पर पहले से दुष्कर्म का केस होने के कारण घटना के बाद से वह फार्म हाउस छोड़कर भूमिगत हो गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। विकास इंटरनेट मीडिया के जरिये अपना पक्ष रख रहा है।

बताया जा रहा है कि होली वाली रात फार्म हाउस में सतीश कौशिक की मौत होते ही विकास मालू ने अपने पारिवारिक दोस्त एक बिल्डर को फोन कर बताया था कि वह पुलिस के आला अधिकारियों से बात कर पूरे मामले को मैनेज करें, ताकि किसी को यह पता नहीं लग पाए कि सतीश कौशिक कहां आए थे और उनकी मौत कहां हुई। बिल्डर ने देर रात ही एक विशेष आयुक्त को फोन कर उन्हें घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और मामले को दबाने का अनुरोध कर उन्हें मोटी रकम देने का आफर भी दिया।

विकास मालू ने भी खुद अपने नजदीकी एक विशेष आयुक्त को फोन कर उन्हें घटना के बारे में जानकारी दी। विकास मालू के पांच-छह खास मित्रों की टीम रात भर कुछ पुलिस अधिकारियों को फोन कर मामले को दबाने के लिए अनुरोध करने में जुट गए। इस मामले में यूपी के एक विधान परिषद सदस्य की भी भूमिका का पता चला है। फार्म हाउस से जब्त किए गए सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर पुलिस ने पाटी में शामिल मेहमानों के बारे में पता लगा उनकी सूची तैयार की है।

दिल्ली पुलिस का राहुल गांधीको नोटिस

महिला उत्पीड़न से जुड़े बयान को लेकर पीड़ितों की जानकारी मांगी

दिल्ली : पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट का संज्ञान लेते हुए प्रश्नावली की एक सूची भेजी है। नोटिस में पुलिस ने पीड़ितों के बारे में जानकारी देने के लिए कहा है।

दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी को नोटिस भेजा है। पुलिस ने राहुल गांधी के उस बयान का संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सुना महिलाओं का यौन उत्पीड़न हो रहा है। पुलिस ने नोटिस में राहुल से पीड़ितों के बारे में जानकारी देने को कहा है। वहीं इससे पहले राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस कर अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब दिया और कहा कि मैं सांसद हूं तो मेरी पहली जिम्मेदारी संसद में जवाब देने की है।

जानकारी के मुताबिक, राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान श्रीनगर में महिलाओं को लेकर यह बयान दिया था। पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट का संज्ञान लेते हुए प्रश्नावली की एक सूची भेजी है। नोटिस में पुलिस ने पीड़ितों के बारे में विवरण देने के लिए कहा है। पुलिस ने उनसे पीड़ितों का ब्योरा देने को कहा है ताकि उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जा सके।

उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान श्रीनगर में दिए गए एक बयान में कहा, 'एक विशेष मामले में मेरी एक लड़की से बात हुई, उसके साथ बलात्कार हुआ था। मैंने उससे पूछा कि क्या हमें पुलिस को बुलाना चाहिए, उसने कहा कि पुलिस को मत बुलाओ नहीं तो लज्जित होना पड़ेगा'।

अरुणाचल प्रदेश में थलसेना का चीता हेलीकॉप्टर क्रैश

दोनों पायलटों की जान गई

गुवाहाटी : गुवाहाटी में डिफेंस पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा, दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर बोमडिला के पास एक छोटी उड़ान के लिए गया था। सुबह करीब ९.१५ बजे एयर ट्रैफिक कँट्रोल से इसका संपर्क टूट गया।

अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला में सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर गुरुवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वेस्ट कामेंग जिले के एसपी बी.आर.बोमारेड्डी ने अमर उजाला को बताया कि हेलीकॉप्टर हादसे में दोनों पायलट की मौत हो गई है। मारे गए पायलटों की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल वीवीबी रेड्डी और मेजर जयंत ए का शव दुर्घटना स्थल से बरामद कर लिया गया है। दोनों के शवों को निकट के अस्पताल लाया जा रहा है, जहां पर अंतिम कार्रवाई की जाएगी।

शव शाम करीब चार बजे मिले। सेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

पिछले साल अक्तूबर में भी तवांग क्षेत्र में सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें एक पायलट की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब ९.१५ बजे अरुणाचल प्रदेश के बोमडिला के पास एक ऑपरेशनल सॉर्टी के दौरान आर्मी एविएशन के चीता हेलीकॉप्टर के एटीसी से संपर्क टूटने की सूचना मिली थी। बाद में पता चला कि हेलीकॉप्टर बोमडिला के पश्चिम में मंडला के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

पिछले साल पांच अक्तूबर को अरुणचाल प्रदेश के तवांग में एक नियमित उड़ान के दौरान सेना का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में सेना के दो पायलट घायल हो गए थे, जिनमें से एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। सेना के अधिकारी ने बताया था यह दुर्घटना सुबह करीब १० बजे एक नियमित उड़ान के दौरान तवांग के आग्रिम क्षेत्र जेमीथांक सर्कल के बाप टेंग कांग जलप्रपात क्षेत्र के पास न्यामजांग चू में हुई। हेलीकॉप्टर दो पायलटों के साथ सुरवा सांबा क्षेत्र से नियमित उड़ान पर आ रहा था।

मार्च में लगातार दूसरी बार देश में सबसे गर्म रहा मुंबई

मुंबई : मार्च में ही गर्मी ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। रविवार को मुंबई में तापमान ने नया रिकॉर्ड बना दिया। इस मार्च में लगातार दूसरी बार मुंबई देश का सबसे गर्म शहर रहा। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को दिन का तापमान ३९.४ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है, जो सामान्य तापमान से लगभग सात डिग्री अधिक है। अभी से यहां लू पड़ने लगी है।

रविवार को मुंबई के सांताक्रूज वेधशाला और कोलाबा वेधशाला में क्रमश: ३९.४ डिग्री सेल्सियस और ३५.८ डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया।

इस महीने में यह दूसरी बार है जब मुंबई ने देश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया है।

छह मार्च को यहां तापमान ३९.१ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो उस दिन देश में सबसे अधिक था।

रविवार को गर्मी का कहर फिर देखने को मिला। मुंबई में तापमान

३९.४ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हीट वेव की चेतावनी जारी की गई थी

मौसम विभाग ने तीन दिनों की हीट वेव की चेतावनी जारी की थी। शुक्रवार से लेकर रविवार तक मुंबई में हीट वेव रहा। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से मुंबई में गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद की जा सकती है। तापमान में गिरावट आने का अनुमान है। कोंकण के अंदरूनी हिस्सों में बारिश की संभावना है। इसके साथ ही हवा के रूख में भी बदलाव हो सकता है।

वरिष्ठ पत्रकार वेदप्रताप वैदिक का निधन

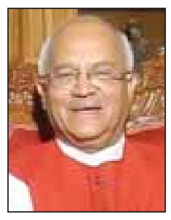

नई दिल्ली : वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वेदप्रताप वैदिक अब इस दुनिया में नहीं रहे। वह करीब ७८ साल के थे। बताया गया है कि मंगलवार सुबह वे नहाने गए थे, लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं आए। सुबह करीब साढे. नौ बजे परिवार के लोगों ने दरवाजा तोडा, तब वे अंदर बेसुध मिले। इसके बाद उन्हें घर के पास स्थित प्रतीक्षा अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने बताया कि उनका निधन काफी देर पहले ही हो चुका है।

डॉक्टर वैदिक पत्रकारिता, राजनीतिक चिंतन, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, और हिंदी के क्षेत्र में लंबे समय तक काम किया। डॉक्टर वैदिक का जन्म ३० दिसंबर १९४४ को इंदौर में हुआ था। अंतरराष्ट्रीय मामलों में जानकार होने के साथ ही उनकी रुसी, फारसी, जर्मन और संस्कृत भाषा पर पकड. रही। डॉ. वैदिक ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज' से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वे भारत के ऐसे पहले विद्वान हैं, जिन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीयय राजनीति का शोध-ग्रंथ हिन्दी में लिखा। उन्होंने अपनी पीएचडी के शोधकार्य के दौरान न्यूयार्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मॉस्को के 'इंस्तीतूते नरोदोव आजी', लंदन के 'स्कूल ऑफ ओरियंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज'. और अफगानिस्तान के काबुल विश्वविद्यालय में अध्ययन और शोध किया।

कई बडे. मीडिया संस्थानों में रहे संपादक

वेदप्रताप वैदिक ने करीब १० वर्षों तक पीटीआई-भाषा (हिन्दी समाचार समिति) के संस्थापक-संपादक के तौर पर जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले वे नवभारत टाइम्स के संपादक (विचारक) रहे। बीते कुछ समय में उनके लेख अलग-अलग समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहे हैं।

डॉक्टर वैदिक को मीडिया और भाषा के क्षेत्र में काम करने के लिए कई सम्मान दिए गए। उन्हें विश्व हिन्दी सम्मान (२००३), महात्मा गांधी सम्मान (२००८), दिनकर शिखर सम्मान, पुरुषोत्तम टंडन स्वर्ण-पदक, गोविंद वल्लभ पंत पुरस्कार, हिन्दी अकादमी सम्मान।

कर्मचारी को प्रभावी राहत देने के लिए उसका स्थायी पता मालूम होना जरूरी

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली : पीठ उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के एक आदेश के खिलाफ फर्म की अपील पर विचार कर रही थी, जिसने एकल न्यायाधीश की पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा था, जिसके परिणामस्वरूप श्रम न्यायालय के फैसले को वैध ठहराया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी कर्मचारी को प्रभावी राहत तभी दी जा सकती है, जब दलीलों में कामगार का स्थायी पता दिया गया हो। यदि कोई पक्ष किसी राहत के लिए किसी प्राधिकरण से संपर्क करता है, तो सबसे पहले उसका पूरा पता बताना जरूरी है।

जस्टिस ए एस ओका और राजेश बिंदल की पीठ ने एक कर्मचारी की बहाली से संबंधित मामले में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। कर्मचारी ने बॉम्बे हाई कोर्ट के जून २०१० के आदेश के खिलाफ एक फर्म ने याचिका दायर की थी।

शीर्ष अदालत ने कहा, सभी लंबित मामलों और भविष्य में दायर किए जाने वाले मामलों में, पार्टियों को अपना स्थायी पता प्रस्तुत करना होगा। पीठ ने कहा, श्रम अदालत के अक्तूबर २००५ के आदेश, जिसमें कर्मचारी को ८ दिसंबर, १९९७ से सेवा की निरंतरता के साथ पूर्ण पिछले वेतन के साथ बहाल करने का निर्देश दिया गया था।

यह ऐसा मामला है जिसमें काम करने वाले का स्थायी पता नहीं बताया गया है। दिया गया पता केयर ऑफ यूनियन है। दिए गए पते पर उनकी सेवा करने के लिए किए गए सभी प्रयास व्यर्थ रहे। पीठ ने कहा, अंत में, सेवा संघ के पते पर की गई थी, जो संभव है कि उसकी ओर से मामले को आगे बढ़ाने में रुचि नहीं ले सकती है।

आदेश पारित करने से पहले हम विभिन्न श्रम कानूनों के तहत काम करने वाले अधिकारियों को यह निर्देश देते हैं कि इस तरह की स्थिति को सुधारने के कदम उठाएं। किसी कर्मचारी को प्रभावी राहत देने के लिए कामगार का पूरा पता बहुत जरूरी है।

पीठ उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के एक आदेश के खिलाफ फर्म की अपील पर विचार कर रही थी, जिसने एकल न्यायाधीश की पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा था, जिसके परिणामस्वरूप श्रम न्यायालय के फैसले को वैध ठहराया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश से पता चलता है कि कामगार का प्रतिनिधित्व किया गया था, इसलिए वह श्रम न्यायालय के फैसले को चुनौती देने और याचिका को खारिज करने के बारे में जानता था।

केंद्रीय गृहमंत्री ने किया 'शिव सृष्टि' के प्रथम चरण का लोकार्पण

नई दिल्ली : केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के पुणे में शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित थीम पार्क 'शिव सृष्टि' के प्रथम चरण का लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे व उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

श्री अमित शाह ने छत्रपति शिवाजी महाराज को उनके देश, धर्म, स्वराज और स्वभाषा के लिए दिए गये योगदान के लिए प्रणाम किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज शिव जयंती के दिन शिव सृष्टि के प्रथम चरण का लोकार्पण होने के बाद कल से यह जनता के लिए खुल जाएगा। यह दिन विश्वभर में शिवाजी के जीवन से संदेश व प्रेरणा लेने वाले लोगों के लिए ऐतिहासिक है। श्री शाह ने कहा कि 'शिव शाहिर' बाबासाहब पुरंदरे जी ने शिवचरित्र को शब्दबद्ध करने के लिए देशभर में घूम-घूम कर अपना जीवन समर्पित किया जिससे शिवाजी महाराज की शौर्यगाथाएँ जन जन तक पहुँची। उनके इसी प्रयास से आज देश में शिवाजी महाराज को जानने वालों की सं'या इतनी अधिक है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए बाबासाहेब से विनती कर गुजरात के हर जिले में जाणता राजा के कार्यक्रम को आयोजित करवाया। वहां के युवा इस कार्यक्रम को देखकर शिवाजी महाराज के अनन्य भक्त बनकर बाहर निकलते थे। श्री शाह ने बाबासाहेब के सपने को साकार करने के लिए उनके इस ईश्वरीय काम को आगे बढ़ाने के लिए ट्रस्टियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी का जीवन एक ऐसा संदेश है जो आज भी कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कलकत्ता के गंगा सागर तक सभी लोगों को प्रेरित करता है। बाबासाहेब ने दुनिया भर से शिवाजी महाराज के जीवन व उनके कृतित्व के अधिकृत दस्तावेजों को एकत्रित कर उनका संकलन कर शिव चरित्र के इतिहास को नई पीढ़ी के लिए तैयार करने का काम किया तभी तो बाबासाहेब पुरन्दरे का नाम परिवर्तित कर शिवशाहीर बाबासाहेब पुरंदरे रखा गया। श्री शाह ने कहा कि बाबासाहेब ने अपने जीवन में गोवा, दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव के मुक्ति संग्राम में जुड़कर एक यशस्वी योगदान दिया। श्री अमित शाह ने कहा कि मित्रों यहां शिव सृष्टि के चार चरणों में से पहला चरण समाप्त हुआ है। श्री शाह ने विश्वास जताया कि ४३८ करोड़ रुपये का यह प्रॉजेक्ट निश्चित रूप से तय किए गए टाइम टेबल में समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में ६० करोड़ रुपये की लागत से शिवाजी महाराज के जीवन की अनेक घटनाओं को संजोने का प्रयास किया गया है। यहां ३ऊ में शिवकालीन दुर्गों का सफर, शिवाजी के राज्याभिषेक और उनके आगरा से मुगलों की चुंगल से निकलने जैसे कई प्रमुख प्रसंगों को संजोया गया है। यहां आने वाली देश की युवा पीढ़ी शिवाजी महाराज के जीवन को भलीभांति जानकर उनके स्वधर्म, स्वभाषा के लिए जीने व स्वराज के लिए हमेशा बलिदान देने की तत्परता दिखाने के विचारों को प्राप्त करेगी। श्री शाह ने कहा कि सन् १९६७ में अप्रैल माह से सतारा की राजमाता सुमित्रा राजे भोंसले व श्रीमंत छत्रपति प्रताप सिंह महाराज के मार्गदर्शन में बाबासाहेब द्वारा सतारा में प्रतिष्ठान की स्थापना की गयी और तब से पूरे देश भर में बाबासाहेब ने १२ हजार से ज्यादा शिव व्याख्याान किए, १२०० से ज्यादा जाणता राजा महानाट्य किए जिसे आज यहां लगाकर पूरे भारत को शिवाजी के विचारों का संदेश देने का काम किया गया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि अंबे गांव में निर्माणाधीन शिव सृष्टि निश्चित रूप से पूरे एशिया खंड का सर्वाधिक

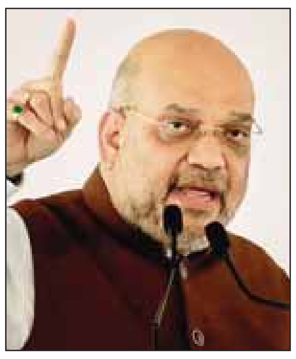

भव्य ऐतिहासिक थीम पार्क बनने वाला है क्योंकि ऐतिहासिक थीम पार्क का यह कॉन्सेप्ट एशिया में शायद ही कहीं है। यहां बहुत बारीकी से ऐतिहासिक तथ्यों की सत्यता का सत्यापन कर इन्हें संजोया गया है जो कि बहुत सराहनीय कार्य है। शिव सृष्टि के निर्माण में तकनीक और इतिहास दोनों का अद्भुत मिलन देखने को मिलता है। यहां होलोग्राफी प्रोजेक्ट मैपिंग, मिनिएचर्स मोशन, सिम्युलेशन, ३ऊ और ४ऊतकनीक और लाइट एंड साउंड तकनीक का अद्भुत सम्मिश्रण कर इतिहास को जीवित करने का प्रयास किया गया है जो कि निश्चित रूप से शिवाजी महाराज के जीवन के संदेश को ना केवल महाराष्ट्र बल्कि देश भर की युवा पीढ़ी तक पहुंचाएगा। यह स्थान दुनिया भर के इतिहासविदों के लिए बहुत महत्वपूर्ण स्थान बनेगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन सत्ता की लालसा से प्रेरित ना होकर १०० सालों से अधिक समय तक किए गए अत्याचारों के सामने विद्रोह व संघर्ष करने, स्वधर्म के प्रति निष्ठा के साथ संघर्ष करने, स्वभाषा को महिमा मंडित करने तथा स्वराज को स्थापित करने की लालसा से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि स्वराज स्थापित कर शिवाजी महाराज ने पूरी दुनिया को संदेश दिया कि हिंदुस्तान पर कोई अत्याचार नहीं कर सकता, यहां की जनता को कोई अपमानित नहीं कर सकता है। शिवाजी महाराज का ये संदेश सन् १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम में भी दिखाई दिया। शिवाजी महाराज ने स्वराज की एक छोटी सी लड़ाई से शुरुआत कर ५० साल की आयु में राज्याभिषेक कर एक बहुत बड़े साम्राज्य के छत्रपति बनने का सफर तय किया। सन् १६८० के बाद भी शिवाजी के विचारों की यह यात्रा रुकी नहीं। उनके बाद भी कई छत्रपति व पेशवा बने और उन्होंने वर्ष १८१८ तक इस परंपरा को आगे बढ़ाया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि शिवाजी महाराज के स्वराज की यात्रा अटक से लेकर कटक तक और गुजरात से लेकर बंगाल तक पहुंची जिसने समग्र भारत को स्वतंत्रता की चेतना देने का काम किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज द्वारा शुरु किया गया स्वराज के लिए संघर्ष आज भी जारी है। स्वराज, स्वधर्म और स्वभाषा के लिए उनका आग्रह उनके द्वारा किए गये हर कार्य में झलकता था। उन्होंने पंचांग शुद्धि करवाई, स्वभाषा में शासकीय शब्दकोष, सप्तकोटेश्वर मंदिर के पुनः निर्माण के साथ-साथ उन्होंने कई मंदिरों के बड़े-बड़े द्वार बनाए। इस प्रकार ढ़ेर सारे मंदिरों के पुनर्निर्माण की यात्रा शुरू हुई। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी भी शिवाजी महाराज की परंपरा पर चल देश के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कर रहें हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज के स्वराज का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था। भारतीय शासन व्यवस्था में पहली बार अष्टप्रधान मंडल की कल्पना व शासन के सूत्रों को लिपिबद्ध करने का कार्य शिवाजी महाराज ने किया। शिवाजी महाराज ने कई युद्धों में अद्भुत साहस का परिचय दिया। शायद ही किसी स्वराज के योद्धा ने फ्रंट फूट पर जाकर स्वराज की लड़ाई लड़ी होगी। श्री शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज आगरा में मुगल दरबार में शांति का आग्रह लेकर गये थे परन्तु औरंगजेब द्वारा हिंद स्वराज का अपमान किए जाने पर उन्होंने कड़ा विरोध किया और जेल चले गए जहां से मुगलों की आंखों में धूल झोंक कर सफलतापूर्वक निकल भी गये ।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि शिव मुद्रा का अंतिम राज्य वाक्य है - 'यह मुद्रा लोक कल्याण के लिए काम में आने वाली मुद्रा है' जो कि यह इंगित करता है कि राज्य का उद्देश्य लोक कल्याण का है, उपभोग का नहीं। शिवाजी महाराज ने अपने कार्यों से दुनिया के सभी शासकों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया कि उपभोग शून्य स्वामी कैसा होता है, राज्य के धन का अपने लिए कदापि उपयोग ना करने वाला स्वामी कैसा होता है। श्री शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज ने जन कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू कर देश में ग्राम आधारित अर्थनीति की भी नींव डाली। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के समय अंग्रेजों का आगमन हो चुका था।अंग्रेजों से पश्चिमी तटों की सुरक्षा के लिए शिवाजी ने नौसेना की स्थापना की। शिवाजी महाराज ने स्वराज के लिए लड़ने वाले लोगों की एक बड़ी फ़ौज बनाई जिसने मुगल राज को टक्कर दी और सन् १७७१ में महाराज जी सिंधिया के नेतृत्व में दिल्ली पर कब्जा किया और अटक से कटक तक अपना साम्राज्य बनाया। श्री अमित शाह ने कहा कि आज शिव जयंती के मौके पर यहां एक भव्य शिव सृष्टि के निर्माण के पहले चरण का समापन हुआ है। उन्होंने कहा कि शिव सृष्टि के चारों चरणों के पूर्ण होने पर शिवाजी की गाथा को बड़े गौरव के साथ समग्र विश्व के सामने रखा जाएगा।

शिवाजी के विचारों को मानने वाले कई लोग इस शिव सृष्टि के साथ जुड़ेंगे और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत को परम वैभव पर पहुंचाएंगे तथा प्रधानमंत्री मोदी जी के आजादी की शताब्दी मनाए जाने के समय भारत को विश्व में प्रत्येक क्षेत्र में सर्वप्रथम बनाने के लक्ष्य को अवश्य ही पूरा करेंगे।

नवरात्र में अयोध्या में भव्य राम जन्मोत्सव मनाया जाएगा. इस दौरान कई मेगा इवेंट आयोजित किए जाएंगे. १० दिन तक चलने वाले 'राम जन्मोत्सव' में रन फॉर राम मैराथन, रेसलिंग, बोटिंग और कबड्डी जैसे इवेंट होंगे. कार्यक्रम का आयोजन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से किया जाएगा.

ऑस्कर में छाए उत्तराखंड के करन थपलियाल

कैमरा तक छीन लेते थे 'रघु' और 'अम्मू '

देहरादून : ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित डाक्यूमेंट्री फिल्म 'द एलीफेंट व्हिस्परर्स' के सिनेमेटोग्राफी करन थपलियाल मूलरूप से उत्तराखंड के रहने वाले हैं। पौडी गढ़वाल जिले के पाबौ ब्लाक स्थित ग्राम नौगांव मल्ला निवासी करन की डाक्यूमेंट्री फिल्म लगातार दूसरी बार ऑस्कर के लिए नामित हुई थी।

हालांकि पिछली बार उनकी डाक्यूमेंट्री 'राइटिंग विद फायर' ऑस्कर जीतने से चूक गई थी, जिसकी कसर इस बार 'द एलीफेंट व्हिस्परर्स' ने पूरी कर दी। सोमवार सुबह पौने सात बजे करन को उनके दिल्ली स्थित आवास पर ऑस्कर जीतने की खबर मिली। इसके बाद से बधाइयों का दौर चल रहा है।

१५ साल से सिनेमेटोग्राफी कर रहे करन थपलियाल

वर्तमान में करन थपलियाल परिवार के साथ दिल्ली के खानपुर में रहते हैं और पिछले १५ साल से सिनेमेटोग्राफी कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने कई डाक्यूमेंट्री और शार्ट फिल्मों के लिए काम किया। द एलीफेंट व्हिस्परर्स, राइटिंग विद फायर और द प्रेसीडेंट्स बाडीगार्ड उनकी चुनिंदा डाक्यूमेंट्री में शामिल हैं।

'द एलीफेंट व्हिस्परर्स' के सिनेमेटोग्राफी का अनुभव साझा करते हुए करन बताते हैं, कोरोना काल के दौरान वर्ष २०२० में निर्देशक कार्तिकी गोंजाल्विस का मुझे फोन आया था। उस वक्त कोरोना की पहली लहर खत्म होने के बाद धीरे-धीरे प्रतिबंध हट रहे थे। कार्तिकी और नेटफ्लिक्स पहले से ही इस डाक्यूमेंट्री पर काम कर रहे थे।

रघु और अम्मू हमारा कैमरा तक छीन लेते थे

डाक्यूमेंट्री की शूटिंग हमने तमिलनाडु में नीलगिरि की पहाड़ियों के बीच मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में की। उनके साथ डाक्यूमेंट्री फिल्म में दो और सिनेमेटोग्राफर भी थे। करन ने बताया कि शुरुआत में तो हमने हाथियों की गतिविधियां परखीं।

फिर हमने कुछ दूरी से ही शूट करना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे रघु और अम्मू के साथ सभी हाथी हमारे साथ सहज हो गए थे। यहां तक कि दोनों इतने शरारती थे कि हमारा कैमरा तक छीन लेते थे। हमारी पूरी टीम को शूटिंग के दौरान खूब मजा आया। यहां तक कि स्थानीय निवासियों ने भी हमारा काफी सहयोग किया।

२.३८ करोड़ की रिश्वत मामले में सीमा शुल्क के पांच अधीक्षक गिरफ्तार

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली : सीबीआई ने सीमा शुल्क अधिनियम के तहत 'निवास स्थानांतरण' के प्रावधान का दुरुपयोग करके माल आयात करने की साजिश में शामिल होने के लिए कस्टम के छह अधीक्षकों और दो सीमा शुल्क हाउस एजेंटों के खिलाफ छह अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सीमा शुल्क अधिनियम के तहत विदेश में रह रहे लोगों के पासपोर्ट पर अवैध रूप से माल के आयात की अनुमति देकर लगभग २.३८ करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में सीमा शुल्क के पांच अधीक्षकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में अधीक्षक कुमार आलोक, केशव पांधी, हेमंत गेथे, बृजेश कुमार और दिनेश कुमार तथा दो कस्टम हाउस एजेंट दीपक पारेख व आशीष कामदार शामिल हैं।

सीबीआई ने सीमा शुल्क अधिनियम के तहत 'निवास स्थानांतरण' के प्रावधान का दुरुपयोग करके माल आयात करने की साजिश में शामिल होने के लिए कस्टम के छह अधीक्षकों और दो सीमा शुल्क हाउस एजेंटों के खिलाफ छह अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। आरोपी अधिकारियों की तैनाती मुंबई में थी। आरोप है कि इन्होंने मुंबई में पोस्टिंग के दौरान अलग-अलग समय में कस्टम हाउस एजेंट के साथ मिलकर सीमा शुल्क अधिनियम के तहत निवास स्थानांतरण के प्रावधान का गलत इस्तेमाल किया। आरोपियों ने दो साल से अधिक समय तक विदेश में रहे कई लोगों के पासपोर्ट का उपयोग कर विशेष रूप से खाड़ी देशों में घरेलू सामान, इलेक्ट्रॉनिक सामान हित विभिन्न वस्तुओं का आयात करने के लिए माल का कम मूल्यांकन करते थे।

सीबीआई के मुताबिक, पासपोर्ट धारकों को कथित रूप से पासपोर्ट का इस्तेमाल करने की इजाजत देने के लिए १५,००० रुपये दिए गए थे। सीमा शुल्क अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध खेपों को पहुंचाया गया और इसके एवज में इन अधिकारियों को कथित तौर पर करीब २.३८ करोड़ रुपये की रिश्वत दी गई।

चेन्नई : चेन्नई में सोमवार, १३ मार्च, २०२३ को तमिलनाडु एचएससी बोर्ड की १२वीं कक्षा की परीक्षा में बैठने से पहले छात्र अपने पाठ्यक्रम को संशोधित करते हैं।

आर्थिक रूप से संपन्न पूर्व सांसदों की पेंशन बंद करें

कांग्रेस एमपी ने वित्तमंत्री सीतारमण से की मांग

मुंबई : महाराष्ट्र के चंद्रपुर से कांग्रेस के लोकसभा सांसद सुरेश उफ बालू धानोरकर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। गुरुवार को लिए गए इस पत्र में कांग्रेस सांसद मे मांग की है कि आर्थिक रूप से संपन्न पूर्व सांसदों की पेंशन को रोकने की मांग की है।

वित्त मंत्री को लिखे गए पत्र में कांग्रेस सांसद धानोरकर ने बताया कि लोकसभा और राज्यसभा के कुल ४,७९६ पूर्व सदस्य पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। इन पूर्व सांसदों को पेंशन देने के लिए प्रति वर्ष ७० करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाती है। उन्होंने कहा कि लगभग ३०० पूर्व सांसदों के आश्रित परिवारों को भी यह वित्तीय लाभ मिलता है।

अपने पत्र में धानोरकर ने बताया कि केंद्र द्वारा वित्त पोषित पेंशन प्राप्त करने वालों में व्यवसायी राहुल बजाज (जिनका २०२२ में निधन हो गया), संजय डालमिया, मायावती, सीताराम येचुरी, मणिशंकर अय्यर और अभिनेता रेखा और चिरंजीव जैसे प्रमुख राजनेता शामिल हैं। इसके अलावाा कई जाने-माने और आर्थिक रूप से संपन्न पूर्व सांसद भी इस लाभ का लाभ उठाते हैं।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि ऐसे पूर्व सांसद जो ३० प्रतिशत से अधिक आयकर स्लैब में आते हैं, उन्हें यह वित्तीय लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने वित्त मंत्री से आग्रह किया कि ऐसे पूर्व सांसदों की पेंशन बंद कर दी जाए। पत्र में धनोरकर ने यह भी कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि देश से प्रेम करने वाला कोई भी पूर्व सांसद इस अनुरोध पर आपत्ति नहीं जताएगा।

एक्सीडेंट प्रकरण में फरार महाराष्ट्र से किया गिरफ्तार

बुरहानपुर : पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री राहुल कुमार लोढ़ा द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को वर्षो पुराने स्थाई वारंटियो की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में थाना शिकारपुरा पुलिस को १८ वर्ष पुराने वर्ष २००५ के एक्सीडेंट के प्रकरण में १० वर्ष से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। थाना प्रभारी शिकारपुरा निरी. गिरवर जलोदिया द्वारा स्थाई वारंट की तामीली हेतु पुलिस टीम गठित कर रवाना किया गया था। दिनांक २६.०२.२०२३ को टीम द्वारा स्थाई वारंटी 'शेख नईम पिता शेख बिस्मिल्लाह उम्र ४६ वर्ष निवासी मुस्लिम कॉलोनी भुसावल' को भुसावल महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की गिरफ़्तारी में थाना प्रभारी शिकारपुरा गिरवर सिंह जलोदिया, उनि सखाराम पगारे का सराहनीय कार्य रहा।

१३ वर्षो से फरार को पुलिस ने राजस्थान से किया गिरफ्तार

बुरहानपुर : पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर श्री राहुल कुमार लोढ़ा द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को वर्षो पुराने स्थाई वारंटियो की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देशों के पालन हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में गणपति नाका पुलिस को दो स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। निरीक्षक टी.सी. शिंदे, थाना प्रभारी, गणपतिनाका द्वारा गोवंश के प्रकरण में सउनि तारक अली, प्र.आर. देवेन्द्र पवार, आर. सुधीर निम्बालकर की टीम बनाकर वारंटी '(१)मुस्ताक पिता मंगा खा उम्र ४८ साल एवं (२) मतीन खॉ पिता माकुल खॉ उम्र २६ साल दोनो निवासी पिडावा जिला झालावाड राजस्थान' की तलाश मे रवाना किया गया था। टीम द्वारा दोनों वारंटियों को झालावाड़ राजस्थान से गिरफ्तार किया गया।

जिन्हें आज दिनांक २५.०२.२०२३ को माननीय न्यायालय पेश किया गया । उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक टी.सी. शिंदे, उपनिरीक्षक शहाबुद्दीन कुरैशी, सहायक उपनिरीक्षक तारक अली, प्रधान आरक्षक देवेन्द्र पंवार, आरक्षक सुधीर निम्बालकर, आरक्षक महेश प्रजापति की सराहनीय भूमिका रही।

आठ करोड़ से ज्यादा की प्रतिबंधित दवाएं पकड़ी

मुंबई में क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

मुंबई : क्राइम ब्रांच के अधिकारी के अनुसार विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। परिसर से बरामदगी के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

क्राइम ब्रांच ने मुंबई के अंधेरी में बड़ी कार्रवाई करते हुए ८.५० करोड़ रुपये के केटामाइन और एक प्रतिबंधित दवा के स्ट्रिप्स बरामद किए। एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने गुरुवार को मुंबई में एक वाणिज्यिक इकाई पर छापा मारा और उपनगरीय अंधेरी में परिसर से बरामदगी के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया।

क्राइम ब्रांच के अधिकारी के अनुसार विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। मुंबई पुलिस के एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने वाणिज्यिक इकाई पर छापा मारा और ७.८७ करोड़ रुपये मूल्य का १५.७४३ किलोग्राम केटामाइन और ५८,३१५०० रुपये मूल्य की प्रतिबंधित दवा के २३,४१० स्ट्रिप्स बरामद किए।

उन्होंने कहा कि पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के बारे में और जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रही है कि वे ड्रग्स की आपूर्ति किसे करने जा रहे थे। अधिकारी ने बताया कि दोनों के खिलाफ एनडीपीएस कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

पत्रकार बताकर दे रहे थे धमकी; पुलिस ने कसी नकेल

बुरहानपुर : पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार लोढ़ा के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक ब्रजेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में गणपति नाका पुलिस ने तीन आरोपियों द्वारा खुद को पत्रकार एवं आरटीआई कार्यकर्ता बताकर फरियादी को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर पैसे की मांग करने पर उनके विरुद्ध प्रकरण दर्ज़ कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दिनांक २३.०२.२३ को बैरी मैदान निवासी फरियादी शेख अरमान ने थाना गणपति नाका पर तीन व्यक्तियों रश्मि शेख (सागर वाली), उसका पति इस्माइल शेख और हसीबुर्रहमान (बिहार वाला) द्वारा खुद को पत्रकार और आरटीआई कार्यकर्ता बताकर उसे ब्लैकमेल कर पैसे की मांग करने संबंधी शिकायत की। फरियादी की शिकायत पर आरोपीगणों के विरुद्ध थाना गणपति नाका पर अपराध क्रमांक ८२/२३ धारा ३८४,३४ आईपीसी का दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

परीक्षा प्रक्रिया की शुद्धता

कितना भी कहा जाए कि हमारे देश में परीक्षा और खासकर १० वीं-१२ वीं की परीक्षा छात्रों के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ है, हमारे लोग इतने माहिर हैं कि इस मोड़ पर (भी) गड़बड़ करेंगे। क्या हो अगर १२वीं के अंग्रेजी के प्रश्न पत्र में प्रश्नों की जगह उत्तर हों? महाराष्ट्र में यह घटा। अंग्रेजी जैसे महत्वपूर्ण विषय की १२ वीं की परीक्षा। प्रश्न पत्र में यदि प्रश्न देने थे तो उत्तर दिये गये थे। मामला जैसे तैसे खबरों में आया और पिछड़ गया। अब आगे पढ़िए...महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के पाथर्डी स्थित परीक्षा केंद्र पर कॉपी नहीं मिलने पर एजेंट की पिटाई की गई, जिसने परीक्षा पास करने की गारंटी दी थी। उधर उत्तर प्रदेश में पांच लोगों के नाम पर अन्य लोगों को परीक्षा देते पकड़ा गया। ऐसी कई खबरे गिनाई जा सकती हैं। ये सभी प्रकार गंभीर हैं। ऐसा दशकों से होता आ रहा है। मूल्यांकन के लिए परीक्षा आयोजित की जाती है। लेकिन वहीं पर हमारे लोग गड़बड़ करते हैं। परीक्षा को जिस गंभीरता से लिया जाना चाहिए उसका हममें सर्वथा अभाव है। अक्सर (केवल) माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे ये बनें या वो बनें। बच्चे चाहे न चाहे। ट्यूशन सातवी-आंठवी से शुरू होता है और लंबे समय तक चलता है। स्कूल और कॉलेज नाममात्र ही होते हैं। आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस के कोर्स चलाने वाले कई जूनियर कॉलेजों में और कई सारी स्कूलों में क्लासरूम खाली दिखते हैं। साइंस के छात्र केवल प्रैक्टिकल परीक्षा देने के लिए कॉलेजों में आते हैं। मेडिकल, इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, आर्किटेक्चर जैसे गिने-चुने अभ्यासक्रमों में शिक्षा की गंभीरता भी बनी हुई है। ऐसे में हम चाहे कितनी ही चर्चा कर लें, हमारी शिक्षा दुनिया में, खासकर उन्नत देशों में दी जाने वाली शिक्षा की बराबरी नहीं कर पाएगी। हमारी परीक्षाओं में गड़बड़ी से पता चलता है कि पूरी प्रणाली त्रुटिपूर्ण है और इससे संबंधित अधिकांश लोग या तो लापरवाह हैं या बेईमान हैं। शिक्षा और परीक्षा ऐसी चीजें हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन प्रक्रियाओं के प्रति ईमानदार होना समाज और देश की भलाई के लिए अच्छा है। एक तरफ तो परीक्षा के नाम पर बच्चों को लगातार डांटने और डराने का रिवाज हैं। और दूसरी ओर परीक्षा की विश्वसनीयता को सीधे चुनौती दिए जाने वाले कारनामे होते हैं। माता-पिता, शिक्षा व्यवस्था में काम करने वाले सभी लोग, पेपर सेट करने वाले मास्टर, परीक्षा लेने वाले कर्मचारी इन सबकी बड़ी जिम्मेदारी होती है। समाज की भी जिम्मेदारी हैं और सरकार की भी। बच्चे अगर हमारा कल हैं, तो उन्हे हमे आज से सँवारना और सीखाना होगा। ऐसा वातावरण तैयार होना चाहिए कि परीक्षा की प्रक्रिया में जरा सी भी चूक न हो। अगर कोई गलति करें तो उसे जिम्मेदार ठहराया जाए। परीक्षा की पवित्रता से खेलने वालों के साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए। सिर्फ महाराष्ट्र नहीं, देश के हर कोने में आपको एजेंटों के गिरोह मिलेंगे जिन्होंने किसी न किसी परीक्षा की सिस्टम अपने कब्जे में कर रखी हैं। ऐसे एजेंट बिना किसी अंदरुनी मदद से अपना काम नहीं कर सकते। ऐसे अवांछित तत्त्वों को मदद करने वाले सिस्टम के लोग खोजकर उन्हे सिस्टम से बाहर करना चाहिए। परीक्षा प्रक्रिया संपूर्ण रूप से स्वस्थ, पारदर्शी तथा आदर्श बनानी चाहिए। अगर शिक्षा का महत्त्व कायम रखना हैं तो ये करना पड़ेगा और सरकार इसमें अगर सख्ती बरतना चाहे तो समाज को सहयोग करना होगा।

म.प्र. से प्रारंभ हुई 'लाड़ली बहना' योजना; लाएगी सामाजिक क्रांति

भोपाल : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाड़ली बहना योजना सामाजिक क्रांति है जो मध्यप्रदेश की धरती से प्रारंभ हुई है। यह योजना बहनों की जिंदगी बदलने का अभियान भी है। योजना से गरीब महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये मेरे द्वारा की गई तपस्या पूरी होगी। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान रविवार को सीहोर और रायसेन जिले के सीमावर्ती बकतरा में विकास यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि बेटियों और बहनों की जिंदगी बदलने का यह महायज्ञ है, जो उनके युवावस्था के आंदोलनों और बेटा-बेटियों को समान मानने की सोच से उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए कन्या विवाह/निकाह और लाड़ली लक्ष्मी जैसी अनेक योजनाओं को लागू किया गया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का कमाल है कि आज गरीब के घर में बेटी लखपति पैदा होती है और अब बेटी की पहचान वरदान के रूप में होती है।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने हजारों की संख्या में महिलाओं के कार्यक्रम में शामिल होने को क्रांति बताया और हजारों बहनों द्वारा उन्हें दी गई रखियों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना से उनका भाई शिवराज अपनी बहनों को हर महीने १००० रूपए भेजेगा। इससे महिलाओं की घर और समाज में इज्जत बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने बकतरा में सीएम राइज स्कूल खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज बुधनी विधानसभा क्षेत्र में कोई खेत सिंचाई और

कोई भी गाँव बिना सड़क के नहीं है। उन्होंने बकतरा के अनेक गाँव को जोड़ने वाले कई मार्गों का भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि २० साल पहले बुधनी हर क्षेत्र में पिछड़ा था। पिछली १५ माह की सरकार द्वारा गाँव, गरीब और वंचितों की योजनाओं को बंद कर आमजन के साथ कुठाराघात किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए संकल्पित है।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि वे मुख्यमंत्री नहीं अपने प्रदेश के हर परिवार के सदस्य है। मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान के बाद हुई विकास यात्रा सेवा का संकल्प था। करोड़ों रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास प्रदेश को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि विकास यात्रा में करोड़ों लोगों को योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित किया गया है। यदि कोई पात्र व्यक्ति रह गया है तो उसे चिन्हित कर लाभान्वित किया जायेगा। शिवराजसिंह ने सीहोर जिले में विकास यात्राओं में एक लाख ३० हजार लोगों के बीमा और स्कूलों में स्मार्ट क्लास बनाने की पहल पर जिला प्रशासन की प्रशंसा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक लाख से अधिक सरकारी नौकरी दिए जाने की प्रक्रिया जारी है। अब प्रदेश के बच्चे मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि शासकीय विद्यालय के बच्चों को मेडिकल में प्रवेश के लिए आरक्षण देने का प्रावधान किया जायेगा। राज्य सरकार अब बुजुर्गों को हवाई जहाज से तीर्थ-यात्रा भी करवाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में श्रीमहाकाल महालोक की तर्ज पर अब सलकनपुर मंदिर में भी देवी महालोक बनाया जा रहा है, जिसमें भक्तों को माता के सभी रूपों के दर्शन होंगे। शिवराजसिंह चौहान हेलीपेड से कार्यक्रम स्थल तक विकास रथ से पहुँचे। शिवराजसिंह चौहान का बकतरावासियों ने ऐतिहासिक स्वागत किया। शिवराजसिंह चौहान ने समारोह में कन्या-पूजन भी किया।

सांसद रमाकांत भार्गव ने मुख्यमंत्री की सहजता से क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के लिए उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि बुधनी, विकास की नई इबारत लिखेगा। सैकड़ों बहनों ने मुख्यमंत्री को रक्षा-सूत्र बाँधा और लाड़ली बहना योजना के लिए शिवराजसिंह चौहान का आभार व्यक्त किया।

चौहान को महिलाओं ने लिखी पाती

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा रक्षाबंधन पर प्रदेश की बहनों को लाड़ली बहना योजना उपहार के रूप में देने के लिए बुधनी विधानसभा क्षेत्र की ३ हजार से अधिक बहनों ने पाती लिख कर आभार व्यक्त किया। भैया के नाम लिखी गई बहनों की पाती को कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने बहनों की पाती पढ़ी और धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने बकतरा में विकास यात्रा के प्रदेशव्यापी समापन में बुधनी विधानसभा में ११८ करोड़ रुपए से अधिक के निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने बकतरा में २३ लाख ४३ हजार रूपए की लागत से बने पुलिस चौकी भवन का लोकार्पण भी किया।

बुधनी विकास यात्रा के दौरान किए कार्य

प्रदेश के साथ विधानसभा बुधनी में भी विकास यात्रा का प्रारंभ ५ फरवरी को ग्राम पंचायत रतनपुर से हुआ था। यात्रा ६६ ग्राम पंचायतों के १४६ ग्रामों से निकाली गई, जिसमें जन-प्रतिनिधि और अधिकारी की लगातार उपस्थिति रही है। विकास यात्रा में १२ करोड़ १५ लाख रूपए के कार्यों का लोकार्पण एवं १२ करोड़ ७ लाख रूपये के कार्यों का भूमि-पूजन किया गया। बुधनी विकास यात्रा के दौरान १३ हजार ७१० आवेदन प्राप्त हुये। इनमें से ९४.५ प्रतिशत निराकरण कर लाभ प्रदान किया गया है। इस दौरान विकास यात्रा में नवाचार के रूप मे सुरक्षित सीहोर अभियान चलाया गया, जिसमें बुधनी विकासखण्ड में २० हजार से अधिक लोगों का प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा किया गया।

आर्थिक सशक्तिकरण कर रही है सरकार : मिश्रा

भोपाल : गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में विकास यात्रा कर बताया कि राज्य सरकार निरंतर सभी वर्गों का आर्थिक सशक्तिकरण कर रही है। सरकार किसानों को सम्मान निधि दे रही है। विभिन्न पेंशन योजनाओं से सीधे लाभांवित किया जा रहा है।

बेटियों के बाद अब बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये लाड़ली बहना योजना लागू की जा रही है। इससे पात्र बहनों के खाते में हर महिने एक हजार रूपये की राशि जमा होगी। मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने विकास यात्रा में एक करोड़ ५० लाख ५७ हजार रूपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया।

गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने ग्राम रेव, काम्हर, रायपुरासनी, पठारी, सलैयापमार, चिराई, तिवारी जी का कुआं और जिगना में जनता को शासन की योजनाओं से अवगत कराया। विकास यात्रा का गॉव में पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया गया। डॉ. मिश्रा ने ६८.८८ लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और ८१.६९ लाख रूपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये।

अब बात हो वैज्ञानिक राष्ट्र बनने की

– डॉ. मनमोहन प्रकाश

वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान थीम के साथ विज्ञान दिवस मना रहा है। यह बात सही है कि भारत अपनी सनातन संस्कृति में विश्व कल्याण की कामना आदि काल से करता रहा है।

इसके लिए हमारे वेदों में कई ऋचाएं भी हैं। भारत ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही वैज्ञानिक सोच, समझ की बात करना आरंभ कर दी थी । क्योंकि उस समय के वैज्ञानिक, अर्थशास्त्रियों, राजनेताओं का मानना था कि देश के विकास और उन्नति के लिए यह आवश्यक है। समय समय देश चलाने वालों ने इस विचार को आगे बढ़ाया। किन्तु ऐसा लगता है इस हेतु जैसे प्रयास होना चाहिए थे, हुए नहीं। आज भी भारत अपने सभी नागरिकों को वैज्ञानिक समझ वाला नहीं बना सका। दूसरी ओर अवैज्ञानिक कृत्य एवं सोच के साथ अंधविश्वास बढ़ता हुआ दिखाई देता है। ऐसी स्थिति में देश की थीम/समस्या पर काम करने के स्थान पर विश्व की थीम पर काम करना क्या उचित है?

२०२३ की २८ फरवरी 'विज्ञान दिवस' पर एक बार पुनः दोहराया जायेगा विज्ञान देश की उन्नति और विकास के लिए महत्वपूर्ण है, आवश्यक है।हर नागरिक में विज्ञान सम्मत समझ होना चाहिए। विज्ञान को महिमा मंडित करने वाले कार्यक्रम भी होंगे यथा-स्कूल - कालेज, विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थानों में विज्ञान विषयों पर व्याख्यान होंगे, चर्चा होगी, निबंध लेखन एवं विज्ञान प्रदर्शनी आदि का आयोजन होगा। कुछ सामाजिक संस्थाएं आधे- अधूरे मन से समाज के बीच जाने के प्रयास भी करेंगी ।पर इस दिशा में कोई ठोस काम होगा, ऐसा लगता नहीं है।

एक विचारणीय प्रश्न यह भी है कि भारत १९८७ से निरंतर नई थीम के साथ विज्ञान दिवस मना रहा है। किन्तु भारतीय में जैसी वैज्ञानिक समझ और नज़रिया विकसित होना चाहिए, हुआ नहीं। शायद इसी का परिणाम है कि आज भी भारत में बहुत बड़ी आबादी जादू-टोना- टोटके, अंधविश्वास, झाड़-फूंक, भूत- प्रेत एवं अन्य कई अवैज्ञानिक कृत्यों में अटकी, भटकी, लटकी हुई है। महिलाओं को डाकिन सिद्ध कर प्रताड़ित करने का सिलसिला थमा नहीं है। अपने धंधे, बच्चों और भवन- दुकान- प्रतिष्ठान आदि को बुरी नज़र से बचाने के लिए काले टीके, निंबू- मिर्च, काली हांडी आदि का उपयोग जारी है। धंधे में मुनाफा के लिए, परीक्षा में पास होने के लिए, नोकरी पाने के लिए, शादी के लिए, मनचाही मनोकामना की पूर्ति के लिए पूजा- पाठ, तंत्र- मंत्र- यंत्र का उपयोग करने का एक भी मौका अधिकांश भारतीय नहीं छोड़ना चाहते हैं।

यहां तक की श्रीवृद्धि की आश में रूद्राक्ष के लिए मिलों चलकर, भूखे प्यासे रहना पड़े, वो भी मंजूर है। दुःख तो तब होता है जब नागरिकों का एक तबका सांप के काटने पर, गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए, संतान की चाह में, लडके की चाहत में, खोई हुई वस्तु को प्राप्त करने के लिए उपरोक्त सभी अवैज्ञानिक कृत्य सहर्ष अपनाना उचित समझता है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की २०२० एवं २०२१ की रिपोर्ट के अनुसार ११ एवं ६ लोगों की मृत्यु का कारण मानव बलि और ८८ एवं ६८ लोगों की मृत्यु का कारण जादू टोना क्रमशः रहा है। वो भी तब जबकि भारतीय संविधान का अनुच्छेद ५१-(ह) मौलिक कर्तव्य के रूप में वैज्ञानिक सोच, मानवतावाद और सुधार की भावना को विकसित करने की बात करता है। इस वैज्ञानिक सदी में भी अंधविश्वास, अवैज्ञानिक कृत्य के लिए मानव बलि एवं मृत्यु विचारणीय के साथ निंदनीय भी है।

ऐसा लगता है शासन- प्रशासन से लेकर जनता- जनार्दन तक इन्हें रोकने के लिए कृत संकल्पित नहीं हैं। शासन का आदेश भी वर्ष में एक दिन विज्ञान दिवस मनाने का फरमान जारी करता है, शेष ३६४ दिनों के लिए मौन रहता है। वस्तुतः विज्ञान सम्मत समझ और सोच के लिए तो निरंतर वर्षभर प्रयास होना चाहिए। अंधविश्वास, अवैज्ञानिक कूरीतियों को समाज से दूर करने के लिए कोई ठोस योजना, कार्यक्रम गांव से लेकर शहर तक, अनपढ़ लोगों से लेकर पढ़ें लिखे लोगों के मध्य निरंतर अभियान के रूप में चलाना चाहिए। प्रत्येक शिक्षण एवं समाजसेवी संस्थानों को भी इस दिशा में कार्य करने के लिए आगे आना चाहिए। इन्हें अंधविश्वास एवं कुरीतियों में जकड़े जनमानस को मुक्त करने के लिए यथा क्षमता जनजागृति हेतु गांव, शहरों के विशेष प्रभावित स्थानों को गोद लेना चाहिए और वहां जाकर इस दिशा में सार्थक ईमानदार प्रयास करना चाहिए। ऐसा करने से इन कार्यों में लगे संस्थानों के विधार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी स्वयं भी अवैज्ञानिक से वैज्ञानिक समझ वाले बनेंगे(यदि हैं), अंधविश्वास से दूर रहेंगे और उस गांव स्थान की जनता को भी इस बुराई से दूर रखेंगे। अकादमिक प्रोजेक्ट के लिए भी इन विषयों पर कार्य दिया जा सकता है, देना चाहिए। वस्तुतः विज्ञान दिवस मनाने के पीछे यही सोच होना चाहिए की व्यक्ति वैज्ञानिक विचारों वाला बनें, वैज्ञानिक आविष्कारों, तकनीक का सही उपयोग करने वाला बनें, अंधविश्वास एवं कुरीतियों को तिलांजलि देने वाला बनें। भारत ने बहुत मनाया परंपरागत विज्ञान दिवस, अब इस दिवस से विज्ञान वर्ष, विज्ञान दशक मनाने पर विचार करें और वैज्ञानिक राष्ट्र बनाने की बात करें।

- इंदौर

कृषि को फायदेमंद बनाने में योगदान दें युवा एवं विद्यार्थी : तोमर

नई दिल्ली : चौधरी चरणसिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान (चौ.च.सिं - नियाम) के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एग्री बिजनेस मैनेजमेंट का चतुर्थ दीक्षांत समारोह एवं एग्री इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन आज जयपुर में मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि कृषि क्षेत्र की बेहतरी के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगातार काम कर रही है। देश में कृषि क्षेत्र को और फायदे में लाने तथा गांवों को अधिक समृद्ध बनाने के लिए कृषि से जुड़े विद्यार्थी एवं युवा भी अपना योगदान प्रदान करें। श्री तोमर ने नियाम में और ६० सीटें बढ़ाने तथा होस्टल में रहने की बाध्यता समाप्त करने की घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण है, जिसमें सबकी रूचि बढ़े, युवाओं का भी इसके प्रति आकर्षण हो, यह हम सबकी जिम्मेदारी है। कृषि क्षेत्र में आजीविका है, लेकिन साथ ही इसमें किसानों की देशभक्ति भी है, वह इसलिए क्योंकि कृषि उत्पादन के बिना काम नहीं चल सकता। कृषि क्षेत्र में अनेक चुनौतियां है, जिनका समाधान करने के लिए टेक्नालाजी का उपयोग करते हुए केंद्र सरकार, राज्यों के सहयोग से सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। महंगी फसलों की ओर बढ़ना, फसल विविधीकरण, उपज बिक्री में बिचौलियों की समाप्ति जैसी अनेक चुनौतियों से योजनाबद्ध ढंग से निपटा जा रहा है। श्री तोमर ने कहा कि वैज्ञानिकों ने कृषि क्षेत्र में काफी काम किया है, वहीं किसानों के अथक परिश्रम के साथ ही सरकार की किसान हितैषी नीतियों के कारण कृषि में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। अधिकांश कृषि उत्पादों के मामले में हिंदुस्तान आज विश्व में पहले या दूसरे नंबर पर है, जिसे सभी मिलकर और अग्रणी बनाएं। दुनिया की भारत से खाद्यान्न को लेकर काफी अपेक्षाएं है, जिसे हम पूरा कर रहे हैं और आगे भी करते रहना है। कृषि अनुसंधान निरंतरता का क्रम है, वहीं किसानों की मेहनत और सरकार के प्रयासों में भी कहीं कोई कमी नहीं है। आजीविका के लिए नौकरी जरूरी है, लेकिन साथ ही कृषि क्षेत्र को और बेहतर करना भी जरूरी है, क्योंकि इस पर देश की ५६ प्रतिशत आबादी निर्भर है।

श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस बात पर बल देते

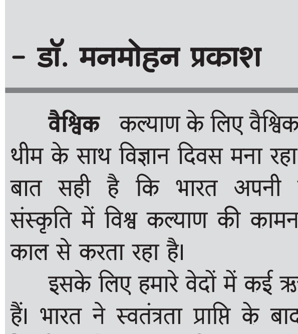

रहते है कि हम वर्तमान को तो खूबसूरत बनाए ही, साथ ही देश की आजादी के अमृतकाल तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाएं, यह हिंदुस्तान के लिए एक सुनहरा व ऐतिहासिक अवसर पर है, जिसका लाभ उठाने की जिम्मेदारी नई पीढ़ी की है। २०४७ में देश का जो भविष्य होगा, वह ऐसा हो कि दुनिया का मार्गदर्शन करने में सक्षम हो। इस दिशा में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में निरंतर चिंतन करते हुए कार्यक मों-योजनाओं को लागू किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कल का इंतजार करना बेमानी है, जो काम आज कर सकते हैं, वह हमें आज ही करना चाहिए। श्री तोमर ने सराहना करते हुए कहा कि देश में एग्री स्टार्टअप ने भी बहुत अच्छे प्रयोग किए हैं। वर्ष २०१४ में जब हम सरकार में आए थे, तब सभी क्षेत्रों के मिलाकर ३२ स्टार्टअप थे। देश में स्टार्टअप को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लगातार प्रोत्साहित किया, जिससे अकेले एग ी स्टार्टअप की संख्या ही अब दो हजार हो चुकी हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों को मिलाकर १० हजार से ज्यादा स्टार्टअप काम कर रहे हैं, इन सबकी ताकत के बलबूते भारत आने वाले कल में विश्व गुरू बनेगा।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री चौधरी ने भी संबोधित किया। सांसद श्री रामचरण बोहरा व कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर तथा राजस्थान के प्रधान सचिव श्री दिनेश कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। संयुक्त सचिव- विपणन एवं नियाम की महानिदेशक डॉ. विजयलक्ष्मी नडेंदला ने स्वागत भाषण दिया। नियाम के निदेशक डा. रमेश मित्तल ने आभार प्रकट किया।

श्री तोमर ने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा-एग्री बिज़नेस मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को डिप्लोमा और मेधावी विद्यार्थियों को पदक दिए। नियाम द्वारा प्रशिक्षित व अनुदानित स्टार्टअप के प्रोडक्ट्स भी श्री तोमर ने लांच किए एवं अनुदान के चेक वितरित किए। स्टार्टअप की प्रदर्शनी व प्रोडक्ट्स डिस्प्ले भी आयोजन हुई, जिसमें नियाम द्वारा प्रशिक्षित व अनुदानित स्टार्टअप ने भाग लिया।

इस मौके पर नियाम के सहभागी संस्थानों को स्टार्टअप प्रशिक्षण व फंडिंग में उनके प्रदर्शन के आधार पर अवार्ड वितरित किए गए, जिनमें श्री करण नरेंद्र एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जोबनेर को प्लेटिनम अवार्ड, नेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट कटक (ओडिशा) को डायमंड अवार्ड व बिहार एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी साबोर को गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया। श्री तोमर ने एग्री इनोवेशन व इन्क्यूबेशन सेंटर की वेबसाइट लांच की, फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाइजेशन बिज़नेस स्कूल व स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया एवं इंडो-जर्मन प्रोजेक्ट की जानकारी ली। नियाम के ९ प्रकाशनों का विमोचन भी किया।

जैविक ऊपज को बढ़ावा देने हेतु आधुनिक परीक्षण प्रयोगशाला

नई दिल्ली : सिक्किम के एक पूर्ण रूप से जैविक राज्य होने के कारण, केंद्र ने राज्य की जैविक ऊपज को बढ़ावा देने के लिए सिक्किम में एक उच्च गुणवत्तापूर्ण आधुनिक जैविक परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना करने का निर्णय किया है। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल ने दी। वह आज गंगटोक में फिक्की द्वारा आयोजित सिक्किम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के साथ एक परस्पर संवादपरक कार्याक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सिक्किम में वर्तमान १ मिलियन डॉलर के बराबर की जैविक ऊपज को बढ़ाकर २०३० तक १ बिलियन डॉलर के बराबर के जैविक उत्पाद का निर्यात करने का लक्ष्य निर्धारित करने का भी आग्रह किया। श्री गोयल ने जैविक, टिकाऊ एवं स्वच्छ नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी सुझाव दिया। उन्होंने राज्य में जैविक परीक्षण के लिए लैब-फॉर्म से लैब-ट्रैसिबिलिएटी जांच की सलाह दी। उन्होंने आर्थिक कार्यकलापों को बढ़ाने के लिए विद्यमान बुनियादी ढांचे का उपयोग करने पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि सिक्किम में एक टिकाऊ राज्य बनने तथा एक जैविक राज्य बन जाने की क्षमता है। उन्होंने इस बात से अवगत कराया कि ऐसा उपलब्धियां राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अधिक मूल्य और लाभ उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने स्थानीय युवाओं को डिजाइन तथा पैकेजिंग सुविधाओं पर भी काम करने पर बल दिया। उन्होंने जानकारी दी कि अगर राज्य सरकार भूमि उपलब्ध कराती है तो केंद्र सरकार सिक्किम में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और राष्ट्रीय पैकेजिंग परिसर संस्थान स्थापित करने के लिए तैयार है।

श्री पीयूष गोयल ने गंगटोक में ताशीलिंग सचिवालय के सम्मेलन कक्ष में सरकारी अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सिक्किम सरकार के मुख्य सचिव श्री विजय भूषण पाठक तथा गंगटोक के डीसी श्री तुषार निखरे तथा अन्य कई अधिकारियों ने भाग लिया। श्री पीयूष गोयल ने आज अपने दौरे का आरंभ विभिन्न लाइन विभागों के विभागाध्यक्षों तथा अधिकारियों के साथ पीएम गति शक्ति की प्रगति, राष्ट्रीय पॉम ऑयल मिशन, जीबीडी के तहत एमओसीआई, सीएएफपीडी तथा कपड़ा केंद्रीय मंत्रालयों के कार्यक्रमों एवं नीतियों के कार्यान्वयन जैसे मुद्दों पर एक परस्पर संवादपरक बैठक के साथ किया। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण के लिए रबर रोपण और उत्पादन तथा जैविक राज्य के लिए तंत्र जैसे कि परीक्षण सुविधा, ब्लौकचेन एवं निर्यात की सुविधाओं की भी समीक्षा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि बड़ी इलायची, मसाले, होमस्टे और जैविक कृषि पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जिससे युवाओं को स्वरोजगार करने में सहायता प्राप्त होगी।

श्री गोयल सिक्किम के तीन दिवसीय दौरे पर हैं और वह वाणिज्य एवं उद्योग से संबंधित सरकारी अधिकारियों तथा हितधारकों के साथ मुलाकात करेंगे।

बॉलीवुड अदाकारा अनन्या पांडे मुंबई में रविवार, १२ मार्च को 'एफडीसीआई एक्स लक्मे फैशन वीक' के ग्रैंड फिनाले के दौरान डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के क्रिएशन को प्रदर्शित करते हुए रैंप पर चलीं।

'तू झूठी मैं मक्कार' ने मचाया गदर

चौथे दिन रणबीर कपूर की फिल्म की कमाई में आया जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली : रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' लव रंजन के निर्देशन में बनी रोमांटिक कॉमेडी मूवी है, जिसमें एंटरटेनमेंट और रोमांस का मजेदार एंगल दिखाया गया है। फिल्म होली के मौके पर यानी कि ८ मार्च को रिलीज हुई और अब तक की कमाई को देखकर यही लगता है कि लोगों ने फेस्टिव सीजन का भरपूर फायदा उठाया है।

फिल्म को अब तक मिली संतोषजनक प्रतिक्रिया

लव रंजन के निर्देशन में फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' को अब तक संतोषजनक प्रतिक्रिया मिली है। इससे पहले वह 'सोनू के टीटू की स्वीटी', 'प्यार का पंचनामा' जैसी फिल्में बना चुके हैं, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इन फिल्मों ने कार्तिक आर्यन के करियर में चार चांद लगा दिए। यह देखना दिलचस्प होगा कि तू झूठी मैं मक्कार ने रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर के करियर में क्या कमाल किया।

'तू झूठी मैं मक्कार' का फुल कलेक्शन

लगभग १०० करोड़ के बजट से बनी इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर १५.७३ करोड़ का बिजनेस किया था। फिल्म को होली की छुट्टी का फायदा मिला। लेकिन सेकेंड डे कमाई में कुछ गिरावट दर्ज की गई। फिल्म ने दूसरे दिन १०.३४ करोड़ का कलेक्शन किया। तीसरे दिन १०.५२ करोड़ बटोरे। अब चौथे दिन के कलेक्शन भी सामने आ गए हैं।

शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, चौथे दिन फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया। शनिवार को फिल्म ने १६ करोड़ का बिजनेस कर डाला। फिल्म का कुल कलेक्शन ५२.५९ करोड़ हो गया है।

नेशनल चेन्स पर कमाए इतने

'तू झूठी मैं मक्कार' के नेशनल चेन्स के आंकडे भी ठीकठाक हैं। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श के ट्वीट के मुताबिक, तीसरे दिन तक फिल्म ने पीवीआर में २.५१ करोड़, आईनॉक्स में १.६८ करोड़ और सिनेपॉलिस में ९६ लाख कमा डाले। टोटल ५.१५ करोड़ की कमाई कर डाली।

रिश्तों की 'गुलमोहर'

मुंबई : रिश्तों पर आधारित एक नई फिल्म गुलमोहर रिलीज हो चुकी है। इसमें सबके आत्मीय परिवार के विषय को प्रस्तुत किया गया है और समीक्षकों का कहना है कि पुराने और नए अभिनेताओं के मिश्रण से इसे बड़ी सफलता मिली है। पहली नजर में लगता है कि निर्देशक राहुल चितेला ने तीन पीढ़ियों की सोच के साथ न्याय किया है।

व्यक्ति को उसके परिवार से जोड़ने वाली और जीवन में उसके परिवार की अहम भूमिका को दर्शाने वाली गुलमोहर सबकी फेवरेट बन गई है।

दिग्गज अभिनेता अमोल पालेकर, शर्मिला टैगोर के साथ मनोज वैपेई ने भी इसमें भूमिका निभाई है। अन्य अभिनेताओं में कावेरी सेठ, सिमरन, उत्सव झा, विनोद नागपाल आदि शामिल हैं।

जल्द आयेगा 'चुपके चुपके' का रीमेक

मुंबई: धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन स्टारर 'चुपके चुपके' का रीमेक बनाया जा रहा है। म्यूजिक और प्रोडक्शन के क्षेत्र में बड़ा नाम भूषण कुमार ने इस बड़ी जिम्मेदारी को संभाला है। यह फिल्म १९७५ में रिलीज हुई थी। इसमें शर्मिला टैगोर, जया बच्चन, ओमप्रकाश आदि ने भूमिकाएं निभाई थीं। अब कई सालों के बाद चर्चा शुरू हुई है। भूषण कुमार ने फिल्म के अधिकार खरीद लिए हैं और फराह खान फिल्म का निर्देशन करेंगी। फराह ने 'मैं हूं ना' हिट के बाद ओम शांति ओम और 'तीसमार खान' का भी निर्देशन किया। निर्माताओं ने धर्मेंद्र की भूमिका के लिए वरुण धवन को चुना है। इस बीच, पता चला है कि अन्य कलाकारों का चयन जारी है। नई 'चुपके-चुपके' की कहानी पुरानी फिल्म जैसी होगी या इसमें कोई बदलाव होगा, इस बारे में मेकर्स ने अभी कुछ भी ऐलान नहीं किया है।

'मिर्जापुर सीजन ३' जल्द होगा रिलीज

मिर्जापुर के पहले और दूसरे दोनों सीजन को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इस सीरीज में पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, विजय वर्मा ने दमदार अभिनय किया है। इन सभी ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से लोगों के दिलों में जगह बनाई। इस बीच लोग इसके तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, २०१८ में जब मिर्जापुर (मिर्जापुर-३) का पहला सीजन रिलीज हुआ था, तो इसे बनाने में करीब १२ करोड़ रुपए का खर्च आया था। इस बीच, दूसरे सीज़न के लिए, जो २०२० में रिलीज़ हुआ था, बजट को दूसरे सीज़न की तुलना में ५ गुना बढ़ा दिया गया था। यानी सीजन २ का बजट करीब ६० करोड़ रुपए था। वहीं अगर मिर्जापुर सीजन ३ के बजट की बात करें तो रिपोर्ट्स की मानें तो दूसरे सीजन के मुकाबले तीसरे सीजन का बजट ३० फीसदी बढ़ गया है। इस हिसाब से तीसरे सीजन का बजट करीब ७८ करोड़ रुपए है।

ऑस्कर समारोह में राम चरण 'नाटू नाटू' पर करेंगे डांस

सैन फ्रांसिस्को : साउथ के सुपरस्टार राम चरण इस समय अमेरिका में हैं और अब ऑस्कर की तैयारी शुरू करेंगे। ९५वें एकेडमी अवॉर्ड्स का आयोजन १२ मार्च को होगा। फिलहाल राम चरण अमेरिका में फिल्म 'आरआरआर' का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। इस साल का ऑस्कर समारोह भारत के लिए बेहद खास होने वाला है। इस सेरेमनी में राम चरण फिल्म 'आरआरआर' के गाने 'नाटू नाटू' पर थिरकेंगे। एमएस किरावनी का गाना 'नाटू नाटू' ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में 'ऑस्कर २०२३' के लिए नॉमिनेट हुआ है। अब ये बात सामने आई है कि अवॉर्ड समारोह में राम चरण फिल्म के इस गाने पर डांस करेंगे। इस बार वह अपनी आने वाली फिल्मों का प्रमोशन भी करेंगे।

नागराज की कलाकृति जरा हटके

मुंबई : नागराज मंजुले की हर फिल्म का काम थोड़ा अजीब होता है। अब उनकी 'घर, बंदूक, बिर्यानी' की भी चर्चा हो रही है और यह ७ अप्रैल को रिलीज होगी। नागराज ने पिस्तुलिया, सैराट, झुंड, नाल, पावसाचा निबंध, बाजी जैसी कुछ फिल्मों का निर्माण किया है। झुंड हिंदी में है और दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में हैं। अब नव्या घर, बंदूक, बिरयानी के दो गाने गुन गुन और आहा हेरो दर्शकों के सामने आ गए हैं। जल्द ही टाइटल सॉन्ग 'आशेच्या भांगे ची नशा भारी... घर, बंदूक, बिरयानी...' ये गीत रिलीज हो रहा है। वैभव देशमुख ने गीत लिखे हैं और ए. इसे वी प्रफुल्लचंद्र के संगीत निर्देशन में मोहित चौहान ने गाया है। मोहित ने मराठी में अपनी पहली गायकी के बारे में कहा कि इस फिल्म के मौके पर उनकी मुलाकात नागराज मंजुले से हुई थी। उनका गायन प्रशिक्षण देखकर मैं दंग रह गया। मराठी फिल्म उद्योग को भी यह आभास हो गया कि उसे प्रतिभाशाली लोग मिले हैं।

'श्री' से बॉलीवुड में कमबैक करने को तैयार हैं ज्योतिका

ज्योतिका ने अपनी कमबैक फिल्म 'श्री' की शूटिंग खत्म कर ली है। अभिनेत्री ने अपेन इंस्टाग्राम अकाउंट पर राजकुमार राव और फिल्म की टीम के साथ तस्वीर साझा कर एक भावुक नोट लिखा है।

इस मशहूर सितारे के साथ आएंगी नजर

साउथ की मशहूर अभिनेत्री ज्योतिका जल्द ही बॉलीवुड में अपना कमबैक करने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने अपनी कमबैक फिल्म 'श्री' की शूटिंग खत्म कर ली है। 'श्री' में ज्योतिका राजकुमार राव के साथ नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी है। 'श्री' का निर्देशन तुषार कर रहे हैं और इसके निर्माता निधि परमार हीरानंदानी हैं।

अभिनेत्री ज्योतिका ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर राजकुमार राव और फिल्म की टीम के साथ तस्वीर साझा कर एक भावुक नोट लिखा है। अभिनेत्री ने लिखा, 'भारी मन से मैंने श्री के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर ली है। मैंने अब तक जितने भी क्रू के साथ काम किया, ये सबसे अच्छे क्रू में से एक है। मुझे इस मीनिंगफुल सिनेमा का हिस्सा बनाने के लिए तुषार और निधि शुक्रिया। राज, मैं आपकी बहुत बडी फैन हूं। बॉलीवुड में सबसे बेहतरीन में से एक के अभिनेता के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने मेरे लिए सम्मान की बात है। आपसे बहुत कुछ सीखा है और एक अभिनेता के रूप में जो मैं इस टीम से लेकर जा रही हूं वह है... ग्रोथ।'

'चंद्रमुखी' के बाद 'कलावती' में नजर आएंगी अमृता

मुंबई : मराठी अभिनेत्री और महान नृत्यांगना अमृता खानविलकर ने पिछले साल प्रसाद ओक के निर्देशन में बनी फिल्म 'चंद्रमुखी' में मुख्य भूमिका निभाई थी। अब अमृता इतनी अलग भूमिका से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अमृता खानविलकर जल्द ही फिल्म 'कलावती' में नजर आएंगी। फिल्म का एक पोस्टर हाल ही में रिलीज किया गया है, हालांकि अमृता का चेहरा पूरी तरह से नजर नहीं आ रहा है, पोस्टर से उनकी आंख और फिल्म की ओवरऑल वाइब साफ नजर आ रही है। इस फिल्म को मशहूर डायरेक्टर संजय जाधव प्रोड्यूस और डायरेक्ट करेंगे। संजय जाधव की फिल्में करीब चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। संजय नार्वेकर, तेजस्विनी लोनारी, हरीश दुधाने मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे जबकि ओंकार भोहाने, दीप्ति धोत्रे और यूट्यूबर नील सालेकर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नज़र आएंगे।

कपिल शर्मा डिलीवरी बॉय की भूमिका में नजर आएंगे

हर भारतीय के दिल में बसे कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपना टैलेंट दिखाने के लिए तैयार हैं। कपिल शर्मा अपकमिंग फिल्म ज्विगेटो के साथ आपके ऑर्डर समय पर डिलीवर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कपिल ने हाल ही में फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें उनके किरदार की झलक दिखाई दे रही है। साथ ही इन पोस्टर्स में फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है।

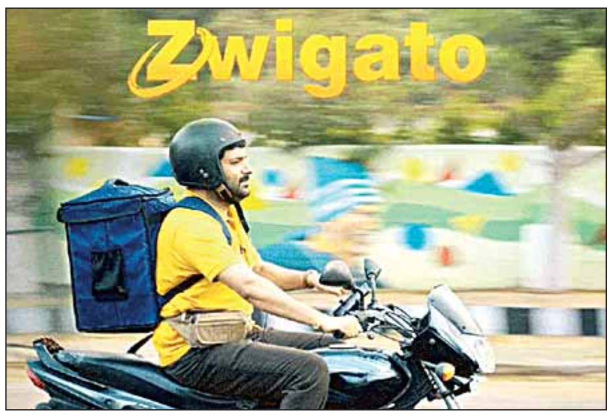

कॉमेडियन कपिल शर्मा फिल्म में डिलीवरी बॉय मानस की भूमिका निभाते नजर आएंगे और नए पोस्टर में उनके काम की झलक देखने को मिल रही है। ज्विगेटो में कपिल पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में नजर आएंगे। अभिनेता ने लोगों को उनसे मिलवाया, साथ ही अभिनेत्री शाहना गोस्वामी को भी, जो फिल्म में उनके साथ नजर आएंगी। फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, मानस से मिलिए, आगे की राह कितनी भी कठिन क्यों न हो, वह समय पर आपका ऑर्डर डिलीवर कर देगा।

फिल्म एक ऐसे शख्स की कहानी बताती है, जो काविड-१९ के दौरान अपनी नौकरी खो देता है और बाद में फूड डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है। हमेशा लोगों को हंसाने वाले इस कॉमेडियन को फिल्म में एक आम आदमी के रूप में देखा जाएगा, जो जीवन में समस्याओं का सामना कर रहा है।

इस फिल्म में एक्ट्रेस शाहना गोस्वामी कपिल शर्मा की पत्नी के रोल में नजर आएंगी। यह फिल्म १७ मार्च, २०२३ को सिनेमाघरों में हिट होने के लिए तैयार है।

'हेरा फेरी ३' में एक नए किरदार की एंट्री

मुंबई : 'हेरा फेरी' सबसे सफल कॉमेडी फिल्मों में से एक है। इसका सीक्वल 'फिर हेरा फेरी' भी काफी लोकप्रिय हुआ था। इसके किरदार भी लोगों की याद में हमेशा के लिए बने रहे। परेश रावल, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी द्वारा निभाए गए किरदार अब तीसरी किस्त में भी जारी हैं। अब इसमें नया ट्विस्ट आ गया है। समझा जा रहा है कि 'हेरा फेरी ३' में एक नए किरदार की एंट्री होगी। ये नए हॉट अभिनेता हैं संजय दत्त। तीसरे पार्ट में वे विलेन के रूप में नजर आएंगे। मुन्नाभाई के साथ सर्किट होने की भी चर्चा है। दरअसल इसे मेकर्स द्वारा कन्फर्म करने के बाद ही सील किया जाएगा।

जल्द आयेगा फिल्म दशहरा का ट्रेलर

दक्षिण भारतीय नेचुरल स्टार्स के प्रशंसक जिस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे वह आखिरकार आ ही गया। दशहरा, नानी अभिनीत पहली पैन इंडिया फिल्म है, फिल्म के टीज़र से लेकर स्थानीय शहर के सोशल मीडिया पेजों तक, महाराष्ट्र के एक प्रशंसक ने १०० किलो रंगोली के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। अब वे अपनी आगामी फिल्म दशहरा का ट्रेलर लखनऊ शहर में करेंगे।

पहली बार ऐसा होगा जब किसी फिल्म का ट्रेलर लखनऊ में बड़े पैमाने पर लांच किया जायेगा और इसके प्रति लोगों का उत्साह निश्चित रूप से देखने लायक होगा। द नैचुरल स्टार अपने प्रशंसकों के लिए अपने तत्काल कनेक्शन और सम्मान के लिए जाने जाते है। जब से इस बात की घोषणा की गयी है कि फिल्म का ट्रेलर लखनऊ में किया जायेगा तब से नेचुरल स्टार का अपने शहर में बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। ट्रेलर लॉन्च को बहुत ही ग्रैंड लेवल पर लांच किया जायेगा इस अवसर पर अभिनेता नानी, दीक्षित शेट्टी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला और निर्माता सुधाकर चेरुकुरी और श्रीकांत चुंडी मौजूद होंगे।

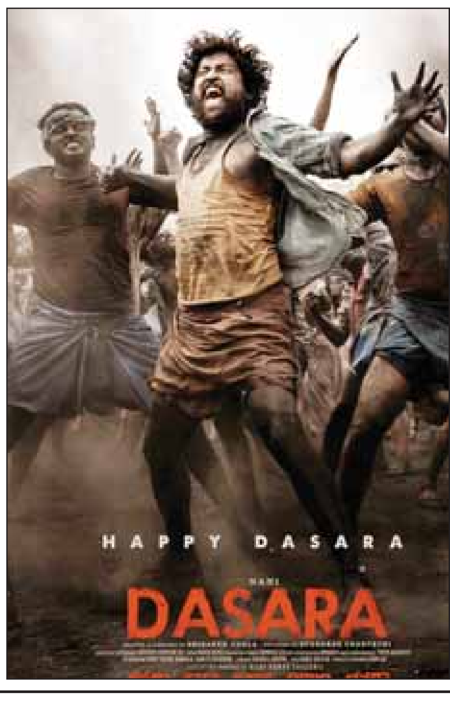

'हमारे ग्रंथों की होनी चाहिए समीक्षा', डॉ. मोहन भागवत

नई शिक्षा नीति में प्राचीन ज्ञान को जोड़ने का हो रहा प्रयास

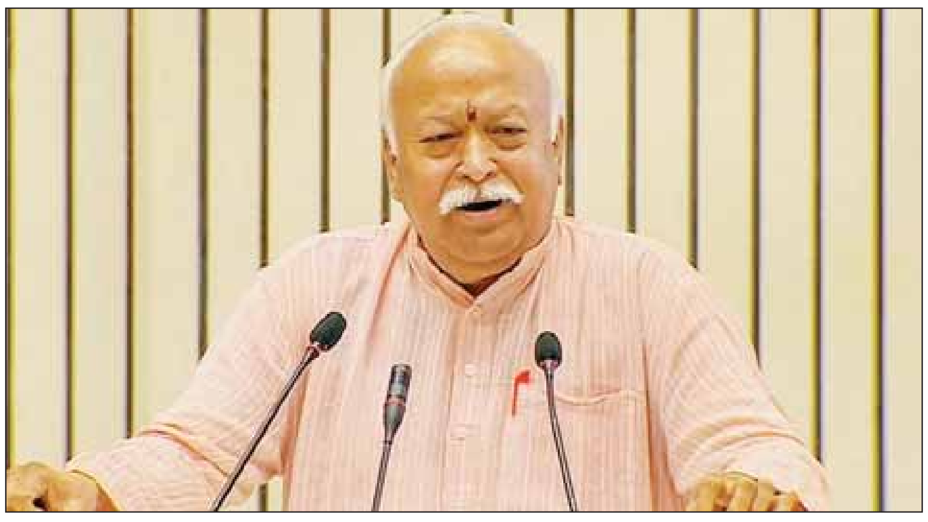

मुंबई : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने धर्म ग्रंथों की दोबारा समीक्षा करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां पहले ग्रंथ नहीं थे। हमारा धर्म मौखिक परंपरा से चलता आ रहा था। बाद में ग्रंथ लिखे गए, तो वे इधर से उधर हो गए। कुछ स्वार्थी लोगों ने ग्रंथ में कुछ-कुछ घुसा दिया, जो गलत है। उन ग्रंथों, परंपराओं के ज्ञान की फिर एक बार समीक्षा जरूरी है।

'हमारे पास पूर्वजों का दिया बहुत कुछ है'

डॉ. भागवत का यह बयान नागपुर के कान्होलीबारा में आर्यभट्ट एस्ट्रोनोमी पार्क के उद्घाटन के दौरान आया। डॉ. भागवत ने कहा कि, हमारी परंपराओं में दुनिया के हर विषय में अन्वेषण किए गए हैं। हमारे पास पूर्वजों का दिया बहुत कुछ है। भागवत का मानना है कि दुनिया की कई समस्याओं को हमारे ग्रंथों में दिए समाधानों से हल किया जा सकता है।

'भारत के पास चीजों को देखने का था वैज्ञानिक नजरिया'

डॉ. भागवत ने कहा कि, सभी भारतीयों को देश के पारंपरिक ज्ञान के बारे में जानकारी होनी चाहिए कि उस ज्ञान को हमने कैसे लोगों से सामान्य संवाद और शिक्षा प्रणाली के जरिये प्राप्त किया था। संघ प्रमुख ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भारत के पास चीजों को देखने का नजरिया वैज्ञानिक था, लेकिन विदेशी आक्रमण के साथ ही हमारा तंत्र और ज्ञान की संस्कृति खंडित हो गई।

नई शिक्षा नीति में प्राचीन ज्ञान को जोड़ने का हो रहा प्रयास

उन्होंने कहा कि, यदि भारत के लोग मौजूदा दौर में भी स्वीकार्य अपने पारंपरिक ज्ञान के आधार का पता लगा लेते, तो दुनिया की कई समस्याओं का समाधान किया जा सकता था।

सरसंघचालक ने कहा कि नई शिक्षा नीति में इस प्राचीन ज्ञान को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अब पाठ्यक्रम में ऐसी चीजें शामिल की जा रही हैं, जो पहले नहीं थीं।

भूषण देसाई शिवसेना में

मुंबई : सुभाष देसाई के बेटे भूषण देसाई ने शिवसेना का दामन थाम लिया। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की।

महाराष्ट्र के सियासी घटनाक्रमों के बीच सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को करारा झटका लगा। उनके करीबी सुभाष देसाई के

शिंदे की मौजूदगी में थामा पार्टी का दामन

बेटे भूषण देसाई ने शिवसेना का दामन थाम लिया। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की।

जिन्हें वाशिंग मशीन में जाना है वो जरूर जाएं: आदित्य ठाकरे

इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद आदित्य ठाकरे ने प्रतिक्रिया दी है। एक बयान में उन्होंने कहा, 'भूषण देसाई का शिवसेना से कोई लेना-देना नहीं है।

जिन्हें वाशिंग मशीन में जाना है वो जरूर जाएं। सुभाष देसाई हमारे साथ हैं। वह चौबीसों घंटे उद्धव ठाकरे के साथ हैं। वे हमें कहीं नहीं छोड़ेंगे।'

कस्बा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी रवींद्र धंगेकर की जीत

चिंचवाड. में बीजेपी के अश्विनी जगताप को बहुमत

मुंबई : महाराष्ट्र की दो विधानसभा सीटों कस्बा पेठ और चिंचवाड. सीट पर २७ फरवरी को मतदान हुआ था। तो वहीं आज दोनों सीटों के लिए हुए उपचुनाव की मतगणना के दौरान चिंचवाड. सीट पर बीजेपी के अश्विनी जगताप ने बहुमत प्राप्त किया है । तो वही कस्बा पेठ सीट से रवींद्र धंगेकर ने भारी मतो से जीत हासिल कर ली है।

चिंचवाड. में बीजेपी की जीत

पिंपरी चिंचवाड. में बीजेपी के अश्विनी जगताप को १,३५,६०३ वोट मिले हैं। तो वहीं एनसीपी के नाना काटे को ९९,४३५ वोट मिले हैं। तो वहीं निर्दलीय उम्मीदवार राहुल कलाटे ने ४४,११२ वोट प्राप्त किये हैं।

कस्बा पर बीजेपी को करारी हार

महाराष्ट्र की कस्बा पेठ विधानसभा सीट पर बीजेपी को २८ साल बाद करारी हार मिली है। कांग्रेस के रवींद्र धंगेकर ने भारी वोटों के साथ अपनी जीत दर्ज की है। बीजेपी के हेमंत रासने १० हजार से अधिक वोटों के अंतर से हार गए हैं। रवींद्र धंगेकर को ७३१९४ वोट मिले हैं तो वहीं बीजेपी के हेमंत को ६२,२४४ वोट मिले हैं।

गढचिरौली में नक्सलियों का आतंक

पुल निर्माण कार्य में लगे तीन वाहनों को चलाया

गढचिरौली : महाराष्ट्र के गढचिरौली में नक्सली हमले कम तो हुए हैं, लेकिन पूरी तरह से सिमटने का नाम ही नहीं ले रहा है। पुलिस ने क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभ्यान चलाकर भी ऐसी घटनाओं पर काबू करने की कोशिश की है, फिर भी वो विफल नजर आ रहे हैं। पुलिस पूवी महाराष्ट्र के गढचिरौली जिले में संदिग्ध नक्सलियों ने पुल निर्माण कार्य में लगे तीन वाहनों में आग लगा दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना एड्डापल्ली तालुका में गुरवार रात को हुई। साथ ही, पुलिस ने कहा कि इस सप्ताह जिले में इस तरह की यह दूसरी घटना है।

८०-९० लाख रुपये का नुकसान

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'सशस्त्र नक्सलियों ने पुरसलागोंडी-अलेंगा मार्ग पर एक पुल के निर्माण में लगी एक जेसीबी मशीन, एक पोकलेन मशीन और एक मिक्सर मशीन वाहन में आग लगा दी।' नक्सलियों ने जिन मशीनों में आग लगाई है वह जेसीबी मशीनें हैं। उनमें आग लगने से ८० से ९० लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। पुलिस ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

इससे पहले सोमवार की रात संदिग्ध नक्सलियों ने जिले के बोटनपुंडी-विसामुंडी मार्ग में सड़क निर्माण कार्य में लगे मिक्सर मशीन के वाहन में आग लगा दी थी। साथ ही, वहां मौजूद दो मजदूरों को भी इन नक्सलियों ने जमकर पीटा था। यहां पर सड़क निर्माण कार्य कुछ दिन पहले ही शुरूहुआ था। घटना को अंजाम देने के बाद नक्सली जंगल में चले गए।

किसानों का मार्च मुंबई की ओर

सीएम शिंदे ने कहा-बातचीत सकारात्मक रही

किसान नेता ने दी चेतावनी

मुंबई : किसान नेता जेपी गावित ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ मुंबई में बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हमने १२-१३ मांगें रखी हैं और उन सभी पर चर्चा की है, लेकिन सरकार को किए गए फें पर अमल करना है।

अपनी मांगों को लेकर हजारों किसानों के मुंबई की ओर मार्च के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरवार को कहा कि आंदोलनकारियों के प्रतिनिधियों के साथ उनकी बैठक सकारात्मक रही और सरकार इस मुद्दे पर विधायिका में बयान देगी।

किसान नेता ने सरकार को दिया अल्टीमेटम

किसान नेता जेपी गावित ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ मुंबई में बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हमने १२-१३ मांगें रखी हैं और उन सभी पर चर्चा की है, लेकिन सरकार को किए गए फें पर अमल करना है। पिछले दो बार से अब तक कुछ नहीं हुआ इसलिए इस बार हमने सरकार को संकेत दिया है कि इसे लागू करना शुरू कर दीजिए और यह नहीं हुआ तो रुका हुआ लॉन्ग मार्च मुंबई की ओर बढ़ जाएगा।

चार दिन पहले नासिक जिले से शुरू हुआ मार्च मुंबई के पड़ोसी जिले ठाणे में प्रवेश कर चुका है। सीएम शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यहां किसान नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने बाद में संवाददाताओं से कहा, विस्तृत चर्चा हुई और यह सकारात्मक रही। विधानमंडल में शुक्रवार को इस पर बयान दिया जाएगा।

उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक जिले से मुंबई की ओर बढ़ रहे किसानों के ठाणे जिले में प्रवेश करने के बाद सरकार ने बुधवार रात अपने दो मंत्रियों दादा भुसे और अतुल सावे को किसानों से चर्चा करने के लिए भेजा। दोनों मंत्रियों ने किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी।

प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर रविवार को मुंबई से लगभग २०० किलोमीटर दूर नासिक जिले के डिंडोरी शहर से अपनी पदयात्रा शुरू की थी। उनकी मांगों में प्याज की खेती करने वाले किसानों को तत्काल ६०० रुपये प्रति क्विंटल की वित्तीय राहत देना, १२ घंटे तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना और कृषि ऋण माफ करना शामिल है।

मुंबई पुलिस भर्ती अभियान में धोखाधड़ी का आरोप

आठ के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई : मुंबई पुलिस के भर्ती अभियान में फिजिकल टेस्ट के दौरान कथित तौर पर फर्जीवाड़ा करने के आरोप में आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि मुंबई पुलिस के भर्ती अभियान में फिजिकल टेस्ट के दौरान कथित तौर पर फर्जीवाड़ा करने के आरोप में आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा कि यह घटना शुक्रवार को मरोल के पुलिस प्रशिक्षण मैदान में हुई, जहां कॉन्स्टेबल के पद के लिए भर्ती अभियान चल रहा था। आरोपी को फिजिकल टेस्ट क्लियर करने के लिए १,६०० मीटर की दौड़ में हिस्सा लेना था और इसके लिए उसे टैग दिए गए थे।

उन्होंने कहा कि आरोपी ने कथित तौर पर परीक्षण के लिए पंजीकरण करते समय आपस में इन टैगों का आदान-प्रदान किया और एक परीक्षक ने इस पर ध्यान दिया। अधिकारी ने कहा कि स्थानीय पुलिस को सूचित किया गया और भारतीय दंड संहिता की धारा ४२० (धोखाधड़ी) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत शनिवार को आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

यूट्यूब देखकर १५ साल की नाबालिग ने बच्ची को जन्म दिया

फिर नवजात को मारकर डिब्बे में छिपा दिया

नागपुर : नागपुर के अंबाझरी इलाके की बच्ची ने अपनी मां को तबियत खराब होने की बात कहकर गर्भवती होने की बात छिपाई। किसी को मालूम न चले इसके लिए उसने यूट्यूब पर वीडियो देखना शुरू किया। दो मार्च को वीडियो देखकर उसने घर पर ही एक बच्ची को जन्म दिया और तुरंत नवजात की गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

महाराष्ट्र के नागपुर शहर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां यूट्यूब देखकर एक १५ साल की नाबालिग ने बच्चे को जन्म दिया और फिर उसे मारकर एक डिब्बे में बंद कर दिया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सोशल मीडिया के जरिए लड़की एक युवक से मिली थी। जिसके बाद दोनों के बीच जान-पहचान हुई। युवक ने बच्ची का यौन शोषण किया था। बाद में बच्ची गर्भवती हो गई।

मां घर पहुंची तब खुली पोल

पुलिस के अनुसार, जब किशोरी की मां घर पहुंची तो उन्होंने उसके स्वास्थ्य के बारे में पूछा। उन्होंने कहा, 'लड़की ने आपबीती अपनी मां को बताई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। नवजात के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।'

पुलिस के मुताबिक, नागपुर के अंबाझरी इलाके की बच्ची ने अपनी मां को तबियत खराब होने की बात कहकर गर्भवती होने की बात छिपाई। किसी को मालूम न चले इसके लिए उसने यूट्यूब पर वीडियो देखना शुरू किया। दो मार्च को वीडियो देखकर उसने घर पर ही एक बच्ची को जन्म दिया और तुरंत नवजात की गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। शव को उसने अपने घर में एक डिब्बे में छिपा दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद हत्या का आरोप लगाया जाएगा। आगे की जांच जारी है।

फुटपाथ पर रहने वाले लोग भी इंसान हैं, उन्हें हटाने का आदेश नहीं दे सकते : बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई : पीटीआई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि बेघर होना एक वैश्विक मुद्दा है, लेकिन फुटपाथ पर रहने वाले लोग भी अन्य लोगों की तरह इंसान हैं। इसके साथ ही, उच्च न्यायालय ने दक्षिण मुंबई में फुटपाथ पर रहने वाले व्यक्तियों को हटाने का निर्देश देने वाले किसी भी आदेश को पारित करने से इनकार कर दिया।

जस्टिस गौतम पटेल और नीला गोखले की खंडपीठ शहर के फुटपाथों और फुटपाथों पर अनधिकृत विक्रेताओं और फेरीवालों के कब्जे के मुद्दे पर हाईकोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान (स्वयं) ली गई याचिका में दायर एक आवेदन पर विचार कर रही थी।

बीएमसी और पुलिस को लिखा पत्र

बॉम्बे बार एसोसिएशन द्वारा दायर आवेदन में कहा गया है कि कई लोग दक्षिण मुंबई में फाउंटेन क्षेत्र के पास फुटपाथ पर रहते और सोते हैं। आवेदन में कहा गया है कि कार्रवाई के लिए शहर की पुलिस और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को भी पत्र लिखे गए हैं। पीठ ने हालांकि सवाल किया कि ऐसे मामलों में क्या न्यायिक आदेश पारित किया जा सकता है।

बेघर होना वैश्विक मुद्दा

अदालत ने कहा, 'क्या आप कह रहे हैं कि शहर को गरीबों से छुटकारा पाना चाहिए? ये वे लोग हैं, जो दूसरे शहरों से यहां अवसरों की तलाश में आते हैं। बेघर होना एक वैश्विक मुद्दा है।' न्यायमूर्ति पटेल ने कहा, वे (बेघर व्यक्ति) भी इंसान हैं। वे गरीब या कम भाग्यशाली हो सकते हैं, लेकिन वे अभी भी इंसान हैं और यह उन्हें अदालत में हमारे सामने हर किसी के समान ही बनाता है।'

रैन बसेरों की हो व्यवस्था

एसोसिएशन के वकील मिलिंद साठे ने सुझाव दिया कि फुटपाथ पर रहने वाले ऐसे व्यक्तियों के लिए रैन बसेरों को उपलब्ध कराया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि यह एक समाधान है, जिस पर अधिकारी विचार कर सकते हैं।

एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी में, अदालत ने कहा कि ऐसी चुनौतियों का बीएमसी का सबसे आसान समाधान मौके पर निर्माण शुरूकरना या मेट्रो स्टेशन बनाना होगा। अदालत ने, हालांकि, कहा कि आवेदन में उठाई गई चिंता अलग थी और स्वतः संज्ञान याचिका में फेरीवालों और विक्रेताओं के मुद्दों से जुड़ी नहीं थी।

साठे ने तब कहा कि एसोसिएशन बेघर व्यक्तियों के मुद्दे पर एक अलग याचिका या जनहित याचिका दायर करने पर विचार करेगा। कोर्ट ने सहमति जताते हुए कहा कि अगर अलग से याचिका या जनहित याचिका दायर की जाती है तो जरूरी निर्देश दिए जा सकते हैं।

महाराष्ट्र एलएलबी सीईटी की अधिसूचना जारी

तीन वर्षीय डिग्री कार्यक्रम में होंगे दाखिले

मुंबई : महाराष्ट्र ने शैक्षणिक वर्ष २०२३-२०२४ के लिए तीन वर्षीय एलएलबी में प्रवेश के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट की अधिसूचना जारी कर दी है।

स्टेट कॉमन एंट्रेंस टेस्ट सेल, महाराष्ट्र ने शैक्षणिक वर्ष २०२३-२०२४ के लिए तीन वर्षीय एलएलबी में प्रवेश के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट की अधिसूचना जारी कर दी है। योग्य उम्मीदवार १५ मार्च से २५ मार्च, २०२३ तक आधिकारिक वेबसाइट llb3cet2023.mahacet.org पर प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

MH LLB CET २०२३ पात्रता मापदंड

उम्मीदवार किसी भी फल्टी में ग्रेजुएट होना चाहिए और एग्रीगेट में न्यूनतम ४५% अंकों के साथ आवेदन कर सकता है। प्रवेश के लिए कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे योग्यता एवं पात्रता मानदंडों की पूरी जानकारी के लिए वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना पुस्तिका को ध्यान से पढ़ें।

MH LLB CET २०२३ आवेदन शुल्क

सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क ८०० रुपये है जबकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए ६०० रुपये लागू है।

MH LLB CET २०२३ परीक्षा पैटर्न

चक डडइ उएद में कुल १५० अंकों के लिए पांच पेपर होंगे - कानूनी योग्यता और कानूनी तर्क, करंट अफेयर्स के साथ सामान्य ज्ञान, तार्किक और विश्लेषणात्मक तर्क, गणितीय योग्यता और अंग्रेजी। प्रश्नों की कुल संख्या १५० होगी।

तीन वर्षीय फुल टाइम-रेगुलर कोर्स में दाखिला

संबंधित शैक्षणिक वर्ष में लॉ में तीन वर्षीय फुल टाइम-रेगुलर प्रोफेशनल डिग्री कोर्स के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए MH LLB 3Yrs CET परीक्षा सालाना आयोजित की जाती है। महाराष्ट्र एलएलबी तीन-वर्षीय कॉमन एंट्रेंस टेस्ट २०२३ का आयोजन दो और तीन मई को ऑनलाइन एमसीक्यू मोड में महाराष्ट्र राज्य के भीतर और बाहर विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। एलएलबी दाखिला सामान्य प्रवेश परीक्षा दो घंटे की अवधि की होगी।

मनसे नेता संदीप देशपांडे पर हुए हमले को लेकर मुंबई पुलिस ने किया आठ टीमों का गठन

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता और पूर्व पार्षद संदीप देशपांडे पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए आठ टीमों का गठन किया है।

बता दें कि ३ मार्च को शिवाजी पार्क में कुछ अज्ञात हमलावरों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया था। वह घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में भर्ती कराया गया। अभी उनका इलाज चल रहा है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले थे मनसे नेता देशपांडे

संदीप देशपांडे पर उस दौरान हमला हुआ जब वह सुबह शिवाजी पार्क के इलाके में मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

मनसे पार्टी के अन्य नेता संतोष धूरी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि देशपांडे ३ मार्च को छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क में रोजाना की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान ४ अज्ञात हमलावरों ने उन पर रॉड और स्टंप से हमला कर दिया।

हमलावरों ने अपने मुंह पर रुमाल बांधा हुआ था, ताकि किसी की पहचान उजागर न हो सके।

राजनीतिक रंजिश की जताई जा रही है आशंका

निडर राजनीतिक विचारों वाले संदीप देशपांडे हमेशा अपने बयानों के कारण विवाद में रहे हैं। ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि उन पर हमला राजनीतिक रंजिश के कारण की गई हो। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस इस की जांच कर रही है।

वहीं, पार्टी के कार्यकर्ताओं का कहना है कि उन पर यह हमला उनकी आवाज को चुप कराने के लिए किया गया है। जिससे वह अन्य पार्टियों के लिए आवाज न उठा सकें।

मनसे के नेता संदीप देशपांडे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के बेहद ही करीबी माने जाते हैं और उन्हें ठाकरे के भरोसेमंद चेहरे के तौर पर माना जाता है। साथ ही वह पार्टी के प्रवक्ता और महासचिव भी हैं। हालांकि इससे पहले वह शिवाजी पार्क इलाके में मनसे के पूर्व पार्षद रह चुके हैं।

पशुधन नस्लों का पंजीकरण, हितधारकों का हुआ सम्मान

नई दिल्ली : केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि देश में बड़ी संख्या में देशी नस्ल के पशु हैं, जिनकी पहचान सभी क्षेत्रों में करने की जरूरत है। इससे कृषि और पशुपालन क्षेत्र की समृद्धि में मदद मिलेगी।

श्री तोमर ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा आयोजित पशु नस्ल पंजीकरण प्रमाणपत्र वितरण समारोह में अपने संबोधन में यह बात कही। श्री तोमर ने अपने संबोधन में कहा, देश का आधा पशुधन अभी भी अवर्गीकृत है। हमें जल्द से जल्द ऐसी अनूठी नस्लों की पहचान करनी होगी ताकि इन अवर्गीकृत नस्लों को बचाया जा सके। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि आईसीएआर इस दिशा में काम कर रहा है और देश में ऐसी नस्लों की पहचान के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। ऐसा कार्य आसान नहीं है और राज्य विश्वविद्यालयों, पशुपालन विभागों, गैर सरकारी संगठनों आदि के सहयोग के बिना पूरा नहीं किया जा सकता है। आईसीएआर ने इन सभी एजेंसियों के सहयोग से मिशन मोड में देश के सभी पशु अनुवांशिक संसाधनों का दस्तावेजीकरण शुरू किया है। यह बड़ा समूह स्वदेशी पशु अनुवांशिक संसाधनों के दस्तावेज मिशन को पूरा करेगा।

श्री तोमर ने देश के विभिन्न हिस्सों से नई नस्लों के सभी आवेदकों की सराहना करते हुए कहा कि ये देशी नस्लें अद्वितीय हैं, जो सभी क्षेत्रों में मौजूद विविधता की विशालता को भी दर्शाती हैं। मानव सभ्यताओं के विकास के समय से पशुपालन ऐतिहासिक रूप से कृषि का अभिन्न अंग रहा है। यह हमारे जैसे देश में और भी प्रासंगिक है, जहां समाज का एक बड़ा वर्ग पशुपालन से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है और उस पर निर्भर है। हमारा देश पशु जैव विविधता से समृद्ध है और लोग युगों से विभिन्न प्रकार की प्रजातियों का पालन करते आ रहे हैं। इन प्रजातियों का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों जैसे भोजन, फाइबर, परिवहन, खाद, कृषि उद्देश्यों आदि के लिए किया जाता रहा है। अतीत में, हमारे किसानों ने इन प्रजातियों की कई विशिष्ट नस्लें विकसित की हैं, जो उस जलवायु स्थिति के अनुकूल हैं। वर्तमान में पूरा विश्व भारत के पशुधन और कुक्कुट क्षेत्र में भारत की विशाल विविधता को देख रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा देश में पशु आनुवंशिक संसाधनों का दस्तावेजीकरण करने का प्रयास और उनकी आनुवंशिक विविधता को संरक्षित करने की भी सराहना की गई है। इस अवसर पर २८ नई पंजीकृत नस्लों के नस्ल पंजीकरण प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जिनमें मवेशियों की १० नस्लें, सुअर की ५, भैंस की ४, बकरी और कुत्ते की ३-३, भेड़, गधे और बत्तख की एक-एक नस्ल शामिल हैं। डेयर ने वर्ष २०१९ से सभी पंजीकृत नस्लों को राजपत्र में अधिसूचित करना शुरू कर दिया है। कार्यक्रम में डीएएचडी, आईसीएआर और इसके संस्थानों के अधिकारी और विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

उत्तर भारत का पहला परमाणु संयंत्र हरियाणा के गोरखपुर में

नई दिल्ली : उत्तर भारत का पहला परमाणु संयंत्र हरियाणा के गोरखपुर शहर में स्थापपित होगा, जो नई दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी से लगभग १५० किमी उत्तर में है।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शासन के दौरान, प्रमुख उपलब्धियों में से एक देश के अन्य हिस्सों में परमाणु/परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना होगी, जो पहले तमिलनाडु और आंध' प्रदेश जैसे ज्यादातर दक्षिण भारतीय राज्यों या पश्चिम में महाराष्ट्र तक ही सीमित थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की परमाणु क्षमता को बढ़ाने की प्राथमिकता के अनुरूप पिछले ८ वर्षों में कई क्रांतिकारी फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा १० परमाणु रिएक्टरों की स्थापना के लिए एक व्यापक स्वीकृति दी गई है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा

विभाग को परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को खोलने हेतु संसाधनों के लिए सार्वजनिक उपक्रमों के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की भी अनुमति दी गई है जो आगामी और आशाजनक क्षेत्र है तथा जिसमें आने वाले समय में भारत की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता है।

गोरखपुर हरियाणा अनु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) जिसमें ७०० मेगावाट क्षमता की दो इकाइयां हैं जिनमें से प्रत्येक में प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) स्वदेशी डिजाइन है, हरियाणा में फतेहाबाद जिले के गोरखपुर गांव के पास कार्यान्वयन के अधीन है। अब तक, कुल आवंटित धनराशि २०,५९४ करोड़ में से ४,९०६ करोड़ की राशि व्यय की जा चुकी है। (आज की स्थिति के अनुसार कुल वित्तीय प्रगति २३.८ प्रतिशत है)।

अन्य मुख्य संयंत्र भवनों/संरचनाओं अर्थात फायर वाटर पम्प हाउस (एफडब्ल्यूपीएच), सुरक्षा संबंधित पम्प हाउस (एसआरपीएच), ईंधन तेल भंडारण क्षेत्र-१ और २ (एफओएसए-१ और २), वेंटिलेशन स्टैक, ओवरहेड टैंक (ओएचटी), स्विचयार्ड नियंत्रण भवन, सुरक्षा संबंधी और गैर-सुरक्षा संबंधी टनल तथा ट्रेंच, रिटेनिंग वॉल और गारलैंड ड्रेन के निर्माण का काम अच्छी तरह से चल रहा है। टर्बाइन बिल्डिंग-१ और २, २२० केवी स्विचयार्ड और आईडीसीटी-१ए में भूमि सुधार का काम पूर्ण हो गया है। अन्य क्षेत्रों - आईडीसीटी, ४०० केवी स्विचयार्ड, आपातकालीन मेकअप जल तालाब और स्टेशन सड़कों का काम प्रगति पर है। आईडीसीटी पैकेज और टर्बाइन आइलैंड पैकेज के लिए ठेकेदारों ने साइट को संघटित किया है।

प्राइमरी कूलेंट पंप, कैलेंड्रिया, रिएक्टर हेडर्स, रिफ्यूलिंग मशीन हेड्स, मॉडरेटर और अन्य डी२० हीट एक्सचेंजर्स आदि जैसे प्रमुख लंबे विनिर्माण चक' उपकरण/घटकों के लिए खरीद आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं। पहली इकाई के लिए एंड शील्ड और सभी स्टीम जेनरेटर साइट पर प्राप्त हो गए हैं। अन्य उपकरणों का विनिर्माण विभिन्न चरणों में है और निर्माण कार्यक' म को पूरा करने के लिए साइट पर प्रदायगी समय पर होने की उम्मीद है।

प्रचालनगत ठंडे पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए टोहाना से जीएचएवीपी तक जल वाहिनी का निर्माण हरियाणा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग (एचआई और डब्लयूआरडी) के माध्यम से जमा कार्य के रूप में आरंभ किया गया है और इसकी प्रगति अच्छी चल रही है।

मानवीय जीवन के लिए प्रकृति के रक्षक की भूमिका में वन्यजीव

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

हर साल ३ मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस दुनियाभर में जैवविविधता और वन्यजीवों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। इस साल की थीम वन्यजीव संरक्षण के लिए साझेदारी यह है। बड़े-बड़े जानवरों से लेकर किट-पतंगों तक, पृथ्वी पर जीवन की विशाल विविधता मानव जीवन और कल्याण में बहुत अधिक योगदान देती है। ५०,००० जंगली प्रजातियां दुनियाभर में अरबों जनसंख्या की जरूरतों को पूरा करती हैं। दुनिया में हर ५ में से १ व्यक्ति आय और भोजन के लिए जंगली प्रजातियों पर निर्भर है, जबकि आज भी २.४ अरब लोग खाना पकाने के लिए लकड़ी के ईंधन पर निर्भर हैं। अनेक गुणकारी पेड़-पौधे भी लुप्तप्राय प्रजातियों के समूह में आ गए हैं। पिछले ४० वर्षों में, वन्यप्रजातियों की आबादी में औसतन ६० प्रतिशत की गिरावट देखी गयी है। वर्तमान में १० लाख से ज्यादा प्रजातियां खतरे में हैं। सभी को वर्तमान में मौजूद वन्यजीव, प्रजातियों और जलीय जीवन के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना जरुरी है। पृथ्वी पर मानवी जीवन का अस्तित्व बनाए रखने के लिए वन्यजीवों का संरक्षण बेहद आवश्यक है।

मनुष्य की लालसा चरम पर : जैसा कि हम सब जानते है कि दुनिया में मनुष्य से ज्यादा खुखार, धूर्त, लालची जानवर अन्य कोई नहीं है। आज प्रत्येक मनुष्य खुद के फायदे के लिए जद्दोजहद में लगा हुआ नजर आता है, चाहे उसके स्वार्थ के कारण अनेक मासूमों की जिंदगी तबाह क्यों न हो जाये। गांव उजड़ते जा रहे है, शहरों की ओर तेजी से पलायन जारी है, शहर महानगरों का स्वरुप धारण कर रहे है। शहरों के आसपास के गांवों की उपजाऊ खेती में फसल की जगह अब बड़ी-बड़ी आलिशान इमारतें बनायीं जा रही है। प्रदूषण, मिलावटखोरी, जंगल कटाई, यांत्रिक साधनों का अत्यधिक प्रयोग, नैसर्गिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन पर्यावरण के चक्र को बिगाड़ रहा है। आज व्यक्ति को अपने घर-आँगन में खुली जगह या पेड़-पौधे नहीं बल्कि अधिक से अधिक कांक्रीट के कमरे चाहिए, चाहे इसके लिए दूसरों की जगह पर अतिक्रमण ही क्यों न करना पड़े। आज का स्वार्थी मानव अपनी गलती की सजा पुरे पर्यावरण और सजीव वर्ग को दे रहा है, जिसका सीधा असर इकोसिस्टम पर पड़ता है। प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने के कारण ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन लेयर की समस्या, बढ़ता तापमान, खाद्यसुरक्षा की कमी, बाढ़ और सूखा, नैसर्गिक आपत्ति, बढ़ती गंभीर बीमारियां ऐसे ही लोगो की गलती की देन है। उदाहरण के लिए देखा जाए तो दुनिया में उतने लोग नहीं है जितने उनके लिए मोबाइल बनाये गए है, लेकिन जरूरत के बाद ये करोड़ों की संख्या में मोबाइल का सौ प्रतिशत योग्य व्यवस्थापन (रीसायकल) पर्यावरण को कोई भी हानि न पहुंचाते हुए किया जाता है?

मानवी जीवन वन्यजीवों पर आधारित : आज के इस आधुनिक युग को देख कर तो ये लगता है कि मानव जीवनदायिनी प्रकृति के भक्षक और वन्यजीव प्रकृति के अनादिकाल से रक्षक की भूमिका में तत्परता से लगे हुए है। प्रत्येक मनुष्य को पता है कि जीवित रहने के लिए सबसे जरुरी शुद्ध प्राणवायु, जल और अन्न ये प्रकृति की देन है, इसके बगैर मानवीय अस्तित्व ख़त्म है। फिर भी लोग सुन्दर जीवनदायिनी प्रकृति को बचाने के बजाय उसी को नुकसान पहुंचाने पर लगे रहते है। वन्यजीव जलवायु परिवर्तन की सुरक्षा करके पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य स्रोत बनाये रखने में अहम् भूमिका निभाते है जिससे जैवविविधतापूर्ण इकोसिस्टम बेहतर ढंग से काम करता है। मृदा की गुणवत्ता और उर्वरता में सुधार होता है। वनौषधि, दवा, व्यवसाय हेतु कच्चा माल, शुद्ध हवा, पानी मिलता है। सभी वन्यजीव पर्यावरण के सुधार में मूल्यवान भूमिका निभाते है। कोरोना में लॉकडाउन के दौरान जब दुनिया में मानव निर्मित संसाधन पूरी तरह से थम गए थे, मानवी हस्तक्षेप पूरी तरह से रुक गया था, तब यही जीवनदायिनी प्रकृति वन्यजीवों के बदौलत अपनेआप को तेजी से बेहतर बना रही थी, अर्थात मानव जीवन के लिए आवश्यक नए आयाम बन रहे थे। सुन्दर प्रकृति का अलौकिक नजारा उस समय देखा गया जो हमारी जिंदगी के लिए सबसे मूल्यवान है।

आजकल अक्सर अखबारों में वन्यजीव दुर्घटना, वन्यजीव व मानव संघर्ष, लगातार मृत्यु की खबरें मिलती है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण अनुसार, देश में इस वर्ष २०२३ के पहले दो महीनों में बाघों की मृत्यु की उच्च संख्या ३० पहुंच गई है, जो बेहद चिंताजनक है, यह है देश के राष्ट्रीय पशु की स्थिति। हर साल जंगल का क्षेत्रफल सिकुड़कर मानवी आवासीय क्षेत्रफल तेजी से बढ़ रहा है। गर्मियों के मौसम में अनेक बार सर्वसुविधाओं से परिपूर्ण बुद्धिमान प्राणी मनुष्य भी शुद्ध जल और हरियाली के लिए दूर-दूर तक भटकता नजर आता है। मनुष्य के कल्याण और उनकी समस्याओं के निवारण के लिए जनप्रतिनिधि, मीडिया, प्रशासन, मंत्रालय, न्यायालय जैसी व्यवस्था है, फिर भी अनेक परिस्थिति में मनुष्य हताश नजर आता है। वन्यजीवों की जरूरतें मनुष्य की भांति असीमित नहीं होती है। जंगली क्षेत्र में बढ़ता मानवीय हस्तक्षेप सबसे बड़ी समस्या है वन्यजीवों के लिए। आज लोगों को जंगलों में, प्रकृति की गोद में जीवन के आरामदायक पल बिताने के लिए फार्महाउस चाहिए, परन्तु उस जीवनदायिनी प्रकृति के संरक्षण की जिम्मेदारी नहीं चाहिए। अगर वन्यजीवों को उनके भूख, प्यास की समस्या का निवारण और उनके नैसर्गिक आवास को नुकसान न पहुंचाए तो वे भी अपने अधिवास क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से जी सकेंगे। प्रकृति से मानव ने उतना ही लेना चाहिए जितने की उसे जरुरत हो और वक्त के साथ उसे फिर मानव ने प्रकृति को लौटाते हुए चलना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी भी पृथ्वी पर खुलकर जी सकें। प्रकृति के आगे हम सब शून्य है, वन्यजीवों का अंत अर्थात मानव जीवन का अंत है। जिंदगी के लिए प्रकृति जीवनदायिनी है और प्रकृति के रक्षा के लिए वन्यजीव सृष्टि आवश्यक है, इसलिए मानव ने अपना अस्तित्व बचाने के लिए वन्यजीवों को बचाना होगा।

-०८२३७४ १७०४१

फ्रोजन सीफूड पर लगाए गए प्रतिबंध को कतर ने हटाया

नई दिल्ली : कतर ने भारत से फ्रोजन सीफूड (समुद्री खाद्य) के आयात पर अस्थायी प्रतिबंध हटा लिया है। इससे पश्चिम एशियाई देश को निर्यात बढ़ाने और उनसे बेहतर द्विपक्षीय संबंध स्थापित करने का रास्ता तैयार हुआ है।

इससे पहले कतर ने यह प्रतिबंध फीफा विश्व कप से ठीक पहले यानी नवंबर, २०२२ में भारत से कुछ खेपों से विब्रियो हैजा का कथित रूप से पता चलने के बाद लगाया गया था। कतर के अधिकारियों ने भारत को सूचित किया कि यह प्रतिबंध अस्थायी था और फुटबॉल आयोजन के लिए उनके देश में पर्याप्त परीक्षण प्रयोगशालाओं की कमी के कारण लगाया गया था। इस प्रतिबंध को लगाए जाने के बाद से कतर स्थित भारतीय दूतावास के साथ भारत सरकार का वाणिज्य विभाग इस मुद्दे के समाधान के लिए लगातार प्रयास कर रहा था। कतर के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श के लिए लगातार कई बैठकें आयोजित की गई थी। इसके परिणास्वरूप १६ फरवरी को जारी अधिसूचना में फ्रोजन सीफूड लगाए गए प्रतिबंध को हटा दिया गया। हालांकि, चिल्ड सीफूड के निर्यात पर प्रतिबंध को जारी रखा गया है।

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अध्यक्ष श्री डीवी स्वामी ने कहा, चीन की ओऱ से इसी तरह की रोक को हटाने के बाद यह सप्ताह भारत में समुद्री खाद्य निर्यातकों के लिए बहुत अच्छा साबित हो रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि स्थिति का फिर से मूल्यांकन करने के बाद कतर की ओर से चिल्ड सीफूड पर लगे प्रतिबंधों को भी जल्द ही हटा दिया जाएगा। श्री स्वामी १५-१७ फरवरी तक आयोजित होने वाले इंडिया इंटरनेशनल सीफूड प्रदर्शनी के लिए शहर में हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में यानी १४ फरवरी को बीजिंग ने स्रोत नियंत्रण पर भारत के आश्वासन को मंजूर करने के बाद ९९ भारतीय सीफूड प्रसंस्करण निर्यातकों पर लगाई गई रोक को हटा दिया था। दिसंबर, २०२० से एमपीईडीए ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर कुल ११० इकाइयों पर बीजिंग की ओर से लगाई गई रोक को हटाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

एनएमडीसी ने किया तीसरी तिमाही में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन

नई दिल्ली : राष्ट्रीय खनन कंपनी एनएमडीसी ने वित्तवर्ष २०२३ की तीसरी तिमाही (क्यू-३) में १०.६६ मिलियन टन का उत्पादन करके तीसरी तिमाही में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज किया है। एनएमडीसी की बोर्ड बैठक १४ फरवरी, २०२३ को हुई थी, जिसमें कंपनी ने इस वित्तवर्ष के पहले नौ महीनों में ११,८१६ करोड़ रुपये का कारोबार किये जाने की सूचना दी। नौ महीनों के मद्देनजर कंपनी ने कर-पूर्व लाभ ४३५१ करोड़ रुपये और नौ महीनों के लिये कर-उपरांत लाभ ३२५२ करोड़ रुपये अर्जित किये।

एनएमडीसी ने वित्तवर्ष २०२३ की तीसरी तिमाही में १०.६६ मिलियन टन लौह अयस्क का उत्पादन और और ९.५८ मिलियन टन की बिक्री की। शुरू की तीन तिमाहियों के लिये समग्र उत्पादन और बिक्री आंकड़े क्रमशः २६.६९ मिलियन टन और २५.८१ मिलियन टन दर्ज किये गये।

प्रति शेयर ३.७५ रुपये का अंतरिम लाभांश घोषित किया।

कंपनी के कामकाज पर टिप्पणी करते हुए एनएमडीसी के अध्यक्ष-महानिदेशक श्री सुमित देब ने कहा कि लौह और इस्पात उद्योग भारत के अवसंरचना विकास का मेरु है तथा इस वर्ष के केंद्रीय बजट में पूंजीगत खर्च में जो वृद्धि की गई है, उससे इस्पात की घरेलू मांग में तेजी आयेगी। लौह अयस्क के भारी उत्पादन और कंपनी में दोबारा निवेश करने योग्य बढ़ती पूंजी के बल पर एनएमडीसी, मांग पूरी करने के लिये तत्पर है। मैं अब तक के सर्वश्रेष्ठ क्यू-३ उत्पादन के लिये एनएमडीसी टीम को बधाई देता हूं।

युवा हैं हमारे राष्ट्र निर्माता : सुश्री मीता

नई दिल्ली : युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सचिव सुश्री मीता राजीवलोचन ने नई दिल्ली के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में विचार-मंथन कार्यशाला के सहभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के पूरे इतिहास में युवा विकास के चालक और राष्ट्र निर्माता रहे हैं। कार्यशाला जी२० के समग्र प्रारूप के अंतर्गत वाई२० कार्य समूह की गतिविधियों का एक हिस्सा थी।

सत्र में उपस्थित युवाओं के साथ अपने विचार साझा करते हुए सचिव ने कहा कि हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, जिन्हें युवा आदर्श के रूप में जाना जाता था, ने अपनी आयु के बीस वर्ष से ही राजनीतिक और सामाजिक सक्रियता की शुरूआत की थी। उन्होंने कहा कि युवा कार्यक्रम विभाग युवाओं के साथ एक संवाद स्थापित करना चाहता है, युवाओं को सशक्त बनाने वाली सरकारी नीतियों को तैयार करना चाहता है। इसके लिए विभाग युवाओं से बेहतर भविष्य और बेहतर समाज के निर्माण के बारे में उनके विचार जानना चाहता है।

सभा को संबोधित करते हुए, सुश्री मीता ने कहा कि वाई२० कार्य समूह में भारत की जी२० अध्यक्षता युवाओं के लिए अपने विचारों के साथ आगे आने का एक बड़ा अवसर है जिसे संकलित किया जा सकता है और आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की जटिलता और विविधता को देखते हुए ये सभी विचार व्यवहार्य नहीं हो सकते हैं लेकिन निश्चित रूप से जो विचार योग्य हैं उन्हें लागू किया जाएगा।

सचिव ने कहा कि भारत सरकार ने उन नीतियों को लागू किया है जो एकल जीएसटी व्यवस्था, बेहतर बुनियादी ढांचे आदि जैसे आर्थिक विकास के अवसरों का सृजन करती हैं। उन्होंने कहा कि ये नीतियां केवल अवसर हैं और एक विकसित भारत के निर्माण के लिए यह पर्याप्त नहीं है इसलिए कुछ प्रतिभाशाली बुद्धिजीवियों को एक साथ आगे आना होगा और इसके लिए यह भी आवश्यक है कि लोग उन्हें स्वीकार लगाएं और अपनाएं।

अपने संबोधन का समापन करते हुए, उन्होंने कहा कि एसआरसीसी देश के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में से एक है और हमारा मानना है कि इसका युवा समुदाय एक बेहतर समाज का नेतृत्व करते हुए एक बेहतर कल का भी नेतृत्व करेगा।

इस सत्र में एसआरसीसी की प्रधानाचार्य प्रोफेसर सिमरित कौर, ओआईपी-एसआरसीसी के संस्थापक और समन्वयक डॉ. मल्लिका कुमार और इंटरनेशनल रिलेशन्स के अध्यक्ष प्रोफेसर चंदर शेखर भी उपस्थित थे।

कार्यशाला का आयोजन युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा ओआईपी-एसआरसीसी के सहयोग से जी२० के युवा२० कार्य समूह गतिविधियों के हिस्से के रूप में किया गया था।

ओआईपी, एसआरसीसी के बारे में

श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (ओआईपी-एसआरसीसी) के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के कार्यालय का उद्देश्य परस्पर-सांस्कृतिक और अकादमिक विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय तालमेल बनाना और इनका विस्तार करना है। यह विश्वविद्यालयों, संस्थानों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ शिक्षा, अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग और समन्वय की सुविधा प्रदान करता है।

२०१५ में अपनी स्थापना के बाद से, ओआईपी-एसआरसीसी ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी (यूएसए), मेलबर्न यूनिवर्सिटी (ऑस्ट्रेलिया), यूट्रेक्ट यूनिवर्सिटी (नीदरलैंड्स) जैसे प्रमुख वैश्विक शैक्षणिक संस्थानों के साथ १७५+ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान की है और युवा कार्यक्रम, इलेक्ट्रॉनिक्स, विदेश, संस्कृति जैसे विभिन्न मंत्रालयों और नीति आयोग के साथ सहयोग के माध्यम से कई प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया हैं। ओआईपी ने दिल्ली स्थित विश्व बैंक, यूएनडीपी दिल्ली, अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन-एशिया प्रशांत (आईसीए-एपी), बैंकाक में यूएनईएससीएपी, पेरिस में यूनेस्को और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के साथ-साथ कई दूतावासों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ संवाद और वार्तालाप की सुविधा भी प्रदान की है।

धीरे-धीरे बढ़ रहा है गंजापन?

हेयर फॉल रोकने के लिए ट्राई करें ये घरेलू उपाय

बाल झड़ना एक नेचुरल प्रोसेस है. आमतौर पर कंघी करते या बाल धोते समय गिरने वाले बाल आम बात हैं. हालांकि जब बाल एक बडे. हिस्से में गिरने लगे या फिर गंजेपन के स्पॉट दिखाई देने लगे तो डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. प्रदूषण, धूल, गलत खान-पान, खराब लाइफस्टाइल, कैमिकल वाले प्रोडक्ट का अधिक प्रयोग, तनाव आदि हेयर फॉल का मुख्य कारण हो सकते हैं. आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे आप बालों का झड़ना रोक सकते हैं.

हर किसी को कभी ना कभी हेयर फॉल की समस्या का सामना करना पडता है. बाल झड़ने के कई कारण होते हैं जैसे आपकी डाइट,स्ट्रेस आदि. लेकिन कुछ लोगों को इस समस्या का काफी ज्यादा सामना करना पडता है और धीरे-धीरे उनकी यह दिक्कत गंजेपन में बदलने लगती है. गंजेपन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए जरूरी है कि आप कुछ ऐसी चीजों का इस्तेमाल करें जिससे आपका हेयरफॉल कम हो और साथ ही बालों की ग्रोथ भी बढे, आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं जिससे आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं.

मसाज- स्कैल्प में मसाज करने से ब्लड का फ्लो बढता है जिससे बालों की ग्रोथ बढती है. ऐसे में जरूरी है कि आप किसी अच्छे हेयर ऑयल की मदद से बालों में हल्के हाथों से मसाज करें.

नारियल का तेल- नारियल का तेल स्कैल्प के माइक्रोबायोटा में सुधार करता है, जिससे बालों के रोम छिद्रों और स्कैल्प को मजबूती मिलती है. नारियल के तेल में महत्वपूर्ण फैटी एसिड होते हैं जो बालों के शाफ्ट में प्रवेश करते हैं और हेयर फॉल को रोकते हैं. हफ्ते में कम से कम दो बार, अपने स्कैल्प पर नारियल के तेल की मालिश करें और इसे नहाने से पहले कुछ घंटों या रात भर के लिए लगा रहने दें.

आंलवा- आंवला में जरूरी फैटी एसिड मौजूद होते हैं जो बालों के रोम छिद्रों को मजबूत करने का काम करते हैं और इसमें मौजूद विटामिन सी बालों को समय से पहले सफेद होने से बचाता है.

अरंडी का तेल (कैस्टर ऑयल)- अरंडी का तेल बालों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं होता. इसमें प्रोटीन, विटामिन ई और कई तरह के मिनरल्स पाए जाते हैं. अरंडी का तेल दुनिया का सबसे गाढा तेल है इसलिए इसे सीधे बालों में नहीं लगाया जा सकता. अरंडी को तेल को हमेशा ऑलिव ऑयल या फिर नारियल के तेल के साथ मिक्स करके लगाना चाहिए.

प्याज का रस- प्याज का रस स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढाता है जिससे बालों की ग्रोथ में इजाफा होता है. एलोपेसिया एरीटा नाम की बीमारी के लिए प्याज का रस काफी फायदेमंद साबित होता है. इस बीमारी के कारण शरीर के विभिन्न हिस्सों से बाल झड़ने लगते हैं. प्याज के रस को शैंपू करने से १५ मिनट पहले बालों में लगाना चाहिए.

नींबू- नींबू बालों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है और इससे बाल भी तेजी से बढते हैं. नींबू को सीधे बालों में नहीं लगाया जाता है ऐसे में इसे आप किसी तेल के साथ मिक्स करके अपने बालों में लगा सकते हैं.

अंडे का मास्क- अंडे का मास्क आपके बालों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है. अंडे में ७० फीसदी केराटिन प्रोटीन होता है जो डैमेज और ड्राई बालों को सॉफ्ट बनाने का काम करता है. २ अंडे में २ बडे. चम्मच दही मिलाकर मिक्स करें और बाल धोने से ३० मिनट पहले ये मास्क बालों पर अप्लाई करें.

चीनी से बेहतर है गुड़?

खाने-पीने की चीज को लेकर ही अक्सर भ्रम होता है। लोग सोचते हैं कि दोनों चीजें एक ही हैं जबकि दोनों के फायदे और नुकसान भी एक ही होंगे। बहुत से लोग इस बात पर विश्वास नहीं करते। ऐसे में इस बात को लेकर अक्सर विवाद होते रहते हैं। गुड़ और चीनी का मामला भी उनमें से एक है। चूंकि गुड़ और चीनी एक ही सामग्री से बने होते हैं, इसलिए उनकी तैयारी में अंतर होता है। लेकिन लोग अक्सर इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि गुड़ अच्छा है या चीनी।

आमतौर पर गर्मियों में चीनी और सर्दियों में गुड़ खाने की सलाह दी जाती है। सर्दियों में गुड़ का इस्तेमाल कई तरह के खाने में किया जाता है वहीं गर्मियों में बिना चीनी के शरबत बनाना संभव नहीं है. तो क्या अच्छा है? इस भ्रम को दूर करने के लिए विशेषज्ञों की राय जानना बेहद जरूरी है।

गन्ने के रस से गुड़ और चीनी दोनों ही बनते हैं। हालांकि दोनों को बनाने की प्रक्रिया अलग-अलग है। जब फायदे की बात आती है तो निश्चित रूप से गुड़ के फायदे चीनी से कहीं ज्यादा होते हैं। गुड़ पूरी तरह से प्राकृतिक चीज है, प्राकृतिक रूप से बनाई जाती है, जबकि चीनी ब्लीचिंग का उपयोग करती है, जो चीनी में रसायनों का परिचय देती है। यानी चीनी बनाने के लिए कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन गुड़ को चीनी की तरह नहीं बनाया जाता है. इसे सिर्फ चूल्हे पर बनाया जाता है। यही कारण है कि गुड़ एनीमिया की समस्या में बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि यह आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, जिंक और सेलेनियम से भरपूर होता है।

गुड़ पाचन में सुधार करता है

पेट में गुड़ का अवशोषण बहुत धीमा होता है इसलिए रक्त शर्करा का स्तर संतुलित रहता है। चीनी जल्दी अवशोषित हो जाती है और रक्त शर्करा का स्तर तुरंत बढ़ जाता है। इसलिए गुड़ एक जटिल चीनी है जिसमें जंजीरों में सुक्रोज अणु होते हैं। वहीं दूसरी ओर गुड़ में कार्बोहाइड्रेट के साथ-साथ खनिज, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जबकि चीनी अंदर से खोखली होती है और इसमें केवल अधिक कैलोरी होती है। आयुर्वेद के अनुसार गुड़ में एंटी-एलर्जिक गुण होते हैं, जो अस्थमा, सर्दी, खांसी और सीने में जकड़न सहित कई समस्याओं के इलाज में मदद करता है। भोजन के बाद गुड़ खाने से पाचन में सुधार होता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इन सब कारणों से गुड़ चीनी से बेहतर है।

सेहत का खजाना आंवला

आंवला एक फल भी है और औषधि भी। आयुर्वेद में बहुगुणी आंवला के महत्व के बारे में बताया गया है। यह सर्दियों का आम फल है। सर्दियों की शुरुआत यानी अक्टूबर-नवंबर में छोटा आंवला रसीला नहीं होता और शुक्राणु वृद्धि के मामले में भी मदद नहीं करता है। लेकिन दिसंबर के महीने में आंवला रसदार हो जाता है और इसमें शक्तिशाली रसायन होते हैं। आंवला के फल का उपयोग साल भर फल और औषधि के रूप में किया जा सकता है। इसका अचार, मुरब्बा, जूस, सुपारी, चूर्ण आदि तैयार कर हम विभिन्न प्रकार के रोगों की औषधि के रूप में प्रयोग कर सकते हैं।

विटामिन ऋसीख से भरपूर- आधुनिक रासायनिक विश्लेषण के अनुसार आंवला में किसी भी अन्य फल की तुलना में अधिक विटामिन सी होता है। विटामिन सी १०% संतरे और १०% से अधिक संतरे में पाया जाता है।

त्रिदोषनाशक- आंवला दिसंबर के महीने में रसदार हो जाता है और इसमें शक्तिशाली रसायन होते हैं। आंवला के फल का उपयोग साल भर फल और औषधि के रूप में किया जा सकता है। इसका अचार, मुरब्बा, जूस, सुपारी, चूर्ण आदि बनाकर हम विभिन्न रोगों की औषधि के रूप में प्रयोग करते हैं।

आंवला कसैला और खट्टा होने के कारण पित्त, कफ और दस्त के लिए एक अच्छी औषधि है। इसलिए इसे त्रिदोषनाशक कहते हैं।

आंवला के अन्य गुण- आंवला बुढ़ापा नाशक, चेहरे की चमक बढ़ाने वाला, वीर्यवर्धक, पाचन तंत्र, ज्वरनाशक, पेशियों और दांतों को मजबूत करने वाला, रक्त शोधक, नेत्रों को चमकाने वाला, बालों को काला करने वाला और मुलायम करने वाला, हृदय रोग, मधुमेह, सर्दी, खांसी, स्वप्नदोष, सफेद कोट आदि है। दक्ष। आंवला हजार बीमारियों की एक मात्र दवा है। आंवला बढ़ती उम्र की एक बेहतरीन औषधि है।

अलसी के औषधीय प्रयोग

अलसी भी एक तेल बीज है। खाना पकाने में अलसी के तेल का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। यह हड्डियों के विकारों में भी उपयोगी माना जाता है। अलसी की चटनी को अपने दैनिक आहार में नियमित रूप से शामिल करना चाहिए। इसके औषधीय उपयोग हैं।

पेशाब साफ करने के लिए, जलन कम करने के लिए - पेशाब करते समय सूजन या जलन हो तो अलसी का अर्क दें। इस अर्क को बनाने की विधि इस प्रकार है, १२ ग्राम अलसी और ६ ग्राम मुलेठी को लेकर अच्छी तरह मसल लें और लगभग १/८ भाग १ लीटर पानी में निकाल लें। फिर उसमें १२ ग्राम दानेदार चीनी मिलाकर दो-दो चम्मच रोज सुबह-शाम पियें। पेशाब की सूजन कम हो जाती है और पेशाब साफ हो जाता है।

दंत रोग के लिए - मसूड़े मजबूत होने चाहिए और दांत दर्द के उपचार के लिए अलसी के तेल की मालिश करनी चाहिए।

कफ पतला करने के लिए - कफ ज्वर (बुखार) होने पर अलसी के आटे को छाती पर लगाने से कफ पतला हो जाता है और बुखार तुरंत उतर जाता है।

कमर दर्द होने पर - पेट, कमर आदि में दर्द हो तो अलसी की पोटी को दर्द वाले स्थान पर बांध देना चाहिए।

फोड़ा - अन्तर्विद्राधि मुंह के अंदर होने वाला फोड़ा होता है, लेकिन एक बार में कई दिनों तक बाहर की ओर फूटता रहता है और राहत महसूस करता है।

सूजन पर और किसी भी घाव पर - चाहे घाव हो, सूजन हो या अल्सर हो, अगर वह लाल और सूजा हुआ हो तो अलसी की पुल्टिस लगानी चाहिए। घाव में मवाद भर जाने पर अच्छा लगता है।

जलने पर - अलसी के तेल और नींबू के रस को एक साथ निगलकर जले पर लगाने से जलन जल्दी ठीक हो जाती है।

बेहतर पाचन के लिए - आहार में अलसी के बीजों का सेवन करना चाहिए जिससे भूख बढ़ती है और पाचन क्रिया दुरुस्त होती है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए - आपको स्वस्थ रखने के लिए सुबह सबसे पहले एक चम्मच अलसी के तेल का सेवन करें। ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हार्ट रेट सब स्वस्थ हो जाते हैं। स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत नहीं है। इस प्रकार अलसी प्रभावी होती है। सर्दियों में हमारा शरीर गर्मी पैदा करता है।

जमालगोटा - जमालगोटा एक मजबूत रेचक है। उसे जेपाल जमालगोटा के नाम से जाना जाता है। इसके बीज और तेल गुणकारी होते हैं। छोटी मात्रा प्रभावी होती है। यह बड़ी मात्रा में विषैला होता है। शरीर में आप सिद्धांत रेचक अपील की तरह प्रचुर मात्रा में बाहर आता है।

हृदय पर पानी के दबाव को कम करने के लिए - इसका उपयोग हृदय पर पानी के दबाव को कम करने के लिए किया जाता है।

कब्ज में उपयोगी - जमालगोटा कब्ज में अहम भूमिका निभाता है। पीलिया में भी जमालगोटा दिया जाता है।

कम उम्र में बाल सफेद हो जाते हैं?

सफेद बालों की समस्या: समय से पहले बूढ़ा होने से हर कोई बचना चाहता है। जब आप जवान होते हैं तब भी अगर आप बूढ़े दिखते हैं तो बहुत से लोग चिंता करते हैं। हर कोई इसका अलग-अलग तरीके से ध्यान रखता है।

एक बात तो यह है कि सिर्फ युवतियां ही नहीं बल्कि युवा पुरुष भी अपने बालों को हर समय काला रखने की कोशिश करते हैं। सफेद बालों की समस्या: अब हमें यह चिंता सताने लगती है कि हम बूढ़े नजर आएंगे लेकिन बालों के सफेद होने के पीछे कई कारण होते हैं। आइए जानते हैं क्या हैं ये कारण और क्या हैं इनके उपाय।

४० की उम्र पार करने के बाद धीरे-धीरे बालों का रंग बदलने लगता है और सिर पर सफेद बाल आने लगते हैं। लेकिन २५ से ३० साल की उम्र में जब बाल सफेद होने लगते हैं तो यह चिंता का विषय बन जाता है। आजकल कई युवा इस समस्या का सामना कर रहे हैं। आमतौर पर कहा जाता है कि जो लोग ज्यादा सोचते हैं उनके बाल जल्दी सफेद हो जाते हैं। लेकिन क्या वास्तव में यही एकमात्र कारण है?

बालों का रंग कैसे बदलता है?

बालों का रंग हमारे शरीर में मेलेनिन नामक प्राकृतिक रंगद्रव्य से संबंधित होता है। यह पिगमेंट बालों को रंग देता है। मेलेनिन मेलानोसाइट्स के माध्यम से निर्मित होता है। ये त्वचा की सतह (रोम) पर विशेष वर्णक कोशिकाएं हैं। इनके जरिए बाल बढ़ते हैं।

हमारे बालों के रोम में दो प्रकार के मेलेनिन में से एक हो सकता है। एक काले और भूरे रंग का वर्णक जिसे यूमेलानिन कहा जाता है। यह वर्णक मुख्य रूप से काले और भूरे बालों में पाया जाता है। पीले या लाल वर्णक को फेमोलेनिन कहा जाता है, जो सुनहरे बालों में मौजूद होता है।

जवानी में बाल सफेद क्यों हो जाते हैं? कारण क्या हैं?

जवानी में बाल सफेद होने के पीछे कई कारण होते हैं। कई बार यह जेनेटिक भी होता है। साथ ही विटामिन बी १२ की कमी, एनीमिया, प्रोटीन की कमी, आयरन और कॉपर की कमी, हाइपोथायरायडिज्म भी सफेद बालों के लिए जिम्मेदार होते हैं।

हम अक्सर अपने बालों में तरह-तरह के तेल और केमिकल लगाते हैं। ये चीजें भी बालों के लिए हानिकारक होती हैं और बालों के सफेद होने का कारण बन सकती हैं। इसके अलावा बुक्स सिंड्रोम, डाउन्स सिंड्रोम, वर्नर सिंड्रोम, तनाव, ड्रग इफेक्ट भी जिम्मेदार हैं।

अगर आप भी सफेद बालों से परेशान हैं, तो जांच लें कि कहीं ऊपर बताए गए कारणों में से कोई समस्या तो नहीं है। लेकिन अगर आपको इनमें से कोई भी समस्या नहीं है और फिर भी समस्या महसूस हो रही है तो किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से संपर्क करें।

प्याज के छिलकों में छिपे सेहत और खूबसूरती के ये ७ राज

जानने के बाद आप इन्हें फेंकना बंद कर देंगे।

- प्याज के छिलकों को रातभर पानी में भिगोकर छानकर पानी पीने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है.
- प्याज के छिलकों को रात भर पानी में भिगोकर सुबह इस पानी से त्वचा को साफ करने से स्किन एलर्जी दूर हो जाती है.
- अगर आप अपने बालों को मुलायम, खूबसूरत और चमकदार बनाना चाहते हैं तो बालों को धोने के लिए प्याज के छिलके के पानी का इस्तेमाल करें.
- चेहरे से दाग-धब्बे दूर करने के लिए भी प्याज के छिलके के रस का इस्तेमाल किया जाता है.
- प्याज के छिलकों को गर्म पानी में उबालें, फिर छानकर इस पानी को पीने से गले की खराश ठीक हो जाती है।
- प्याज के छिलकों को गर्म पानी में उबालें, फिर छानकर इस पानी को पीने से हार्ट अटैक का खतरा कम होता है।
- प्याज के छिलके में विटामिन ए, सी और ई होता है जो बालों, त्वचा, आंखों और इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद होता है।

घर बैठे पाएं पार्लर जैसा पेडिक्योर...

आजकल हम सभी को बाहर जाते समय अपनी त्वचा का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता होती है क्योंकि तेज धूप में चेहरे की त्वचा जो सबसे नाजुक होती है वह सांवली, काली और खराब हो जाती है। लेकिन अक्सर चेहरे की त्वचा पर ध्यान देते वक्त हम हाथ और पैरों की त्वचा को नजरअंदाज कर देते हैं। फलस्वरूप हाथ-पैर काले दिखाई देने लगते हैं और चारों ओर बहुत ही खराब दिखाई देने लगता है।

फिर हम पार्लर में पेडीक्योर और मेनीक्योर के लिए हजारों रुपए खर्च कर देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं? आप सिर्फ १० रुपए में पैरों और हाथों की खूबसूरत त्वचा पा सकते हैं और वह भी बिना ज्यादा पैसा और समय खर्च किए घर पर।

घर पर ही पार्लर जैसा पेडीक्योर करवाने में क्या लगता है?

एक गहरी बाल्टी, शैम्पू, सैंधव नमक, नेल पेंट रिमूवर, नेल कटर, नींबू, झाँवाँ, गुलाब की पंखुड़ियाँ, फुट स्क्रब, जैतून का तेल/नारियल का तेल/बादाम का तेल, छल्ली क्रीम।

पेडीक्योर कैसे करें

इसके लिए सबसे पहले अगर नाखूनों पर नेल पेंट लगा हुआ है तो उसे रिमूवर की मदद से हटा दें। नेल कटर की मदद से सभी नाखूनों को मनचाही लंबाई में काट लें। नेल फाइलर से नाखूनों के सिरों को आकार दें और तेज करें। अगर नाखूनों में कोई गंदगी है तो उसे हटा दें।

अब दूसरी ओर गर्म पानी से भरी बाल्टी या टब लें। पानी को आप सहन करने की तुलना में घंटों अधिक समय या अधिक गर्म कर सकते हैं। नींबू का रस, गुलाब की पंखुड़ियां, सैंधव नमक, शैम्पू की कुछ बूंदे डालकर मिलाएं। इस बाल्टी में अपने दोनों पैर डुबो दें। इसे २०-२५ मिनट के लिए छोड़ दें। फिर नेल ब्रश (पेडीक्योर टिप्स) की मदद से पैरों और नाखूनों को साफ करें।

इसके बाद पैरों को पोंछकर साफ कर लें। नाखूनों पर क्यूटिकल क्रीम लगाएं। अगर आपके पास क्यूटिकल क्रीम नहीं है तो आप जैतून के तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जहां पैरों की त्वचा ज्यादा सख्त लगती है, वहां उसे प्यूमिस स्टोन से रगड़ें, इससे डेड स्किन निकल जाएगी। अब नाखूनों पर लगी क्रीम या तेल को पोंछ लें। क्यूटिकल रिमूवर की मदद से नाखूनों से चिपकी डेड स्किन यानी क्यूटिकल्स को हटा दें। अब एक अच्छा सा स्क्रब लें और उसे अपने पैरों को अच्छी तरह से स्क्रब करने दें।

विशेष नोट : यहां दी गई जानकारी सामान्य जानकारी पर आधारित है। कृपया इसे लागू करने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श लें।

खड़े होकर पानी पीना नुकसानदायक?

डॉक्टर सोनिया रावत की राय जानकर रह जाएंगे हैरान

पानी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है. यह बॉडी का एक प्रमुख रासायनिक घटक है. शरीर में करीब ६० से ७० पर्सेंट पानी होता है. आपका शरीर जीवित रहने के लिए पानी पर निर्भर है. शरीर की सभी सेल्स, टिश्यू और ऑर्गन को सही तरीके से काम करने के लिए पानी की जरूरत होती है. पानी की कमी से डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है. हर किसी को प्रतिदिन २ से ३ लीटर पानी जरूर पीना चाहिए. अब सवाल उठता है कि पानी पीने का सही तरीका क्या है? खडे.होकर पानी पीना फायदेमंद है या बैठकर. माना जाता है कि खडे. होकर पानी नहीं पीना चाहिए, वरना शरीर को नुकसान पहुंचता है. आखिर यह बात कितनी सच है.

नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रिवेंटिव हेल्थ डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत के मुताबिक यह बात बिल्कुल सही है कि खडे. होकर या लेटकर पानी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक होता है. सभी लोगों को अपनी हेल्थ को बेहतर बनाए रखने के लिए बैठकर पानी पीना चाहिए.

खडे.होकर पानी पीने से वाटर के मिनरल्स डाइजेस्टिव सिस्टम तक सही तरीके से नहीं पहुंचते हैं. इसकी वजह से इनडाइजेशन, कॉन्स्टिपेशन और एसिड रिफ्लक्स की समस्या हो सकती है. जो लोग अपच, कब्ज या एसिडिटी से परेशान हैं, उनके लिए यह गलती घातक हो सकती है. लोगों को पानी बैठकर ही पीना चाहिए.

हो सकती हैं ये गंभीर समस्याएं

डॉ. सोनिया रावत कहती हैं कि खडे.होकर पानी पीने से किडनी और लिवर को नुकसान हो सकता है. इससे शरीर का इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बिगड. सकता है. किडनी शरीर में फिल्टर की तरह काम करती है और उसकी फंक्शनिंग गडबड़ाने से पूरे शरीर का सिस्टम बिगड. सकता है. खडे. होकर पानी पीने से लंग्स और हार्ट को भी नुकसान होता है. इससे जॉइंट्स पेन और हड्डियों की अन्य दिक्कतें हो सकती हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि गलत तरीके से पानी पीने से नर्वस सिस्टम प्रभावित हो सकता है और आपको गंभीर परेशानी का सामना करना पड. सकता है. ध्यान रखने वाली बात यह भी है कि दौडते वक्त भी पानी नहीं पीना चाहिए. इससे भी हेल्थ पर बुरा असर पडता है.

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा

(हिंदी मासिक समाचार पत्रिका लोकतंत्र मिरर नागपुर महाराष्ट्र)
(फार्म नं. 4) नियम 8 देखें

१. प्रकाशन का स्थान	:	नागपुर महाराष्ट्र
२. प्रकाशन की अवधि	:	मासिक संस्करण
३. मुद्रक का नाम	:	**स्वप्नील शंभरकर**
क्या भारतीय नागरिक है	:	जी हां
पत्ता	:	C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177 A/G योगी अरविंद नगर, कामठी रोड, नागपुर-440026
प्रकाशन का नाम	:	**स्वप्नील शंभरकर**
क्या भारतीय नागरिक है	:	जी हां
पत्ता	:	C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177 A/G योगी अरविंद नगर, कामठी रोड, नागपुर-440026
सम्पादक का नाम	:	**स्वप्नील शंभरकर**
क्या भारतीय नागरिक है	:	जी हां
पत्ता	:	C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177 A/G योगी अरविंद नगर, कामठी रोड, नागपुर-440026
स्वामित्व का नाम	:	**लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्रायव्हेट**
व पत्ता	:	C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177 A/G योगी अरविंद नगर, कामठी रोड, नागपुर-440026

मैं **स्वप्नील शंभरकर** एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकृत जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है.

हस्ताक्षर

माह : मार्च 2023 **स्वप्नील शंभरकर**

प्रकाशक के हस्ताक्षर

बंदों में है दम...

जो ऑस्ट्रेलिया ७५ साल में नहीं कर पाया, वो टीम इंडिया ने कर दिखाया!

अहमदाबाद : कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी २०२३ में २-१ से ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया है. सीरीज का आखिरी टेस्ट अहमदाबाद में खेला गया, जो आखिरी सेशन तक गया लेकिन ड्रॉ पर खत्म हुआ. भारतीय टीम ने इस सीरीज जीत के साथ एक बडा इतिहास रचा है, क्योंकि टीम इंडिया ने लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट सीरीज में मात दी है.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब दोनों में से किसी एक टीम ने लगातार चार बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज पर कब्जा जमाया हो. यानी जो ७५ साल में नहीं हो पाया, वह मौजूदा दौर की टीम इंडिया ने कर दिखाया है. यह दिखाता है कि मौजूदा दौर में टीम इंडिया ने किस तरह मुकाम हासिल किया है और ऑस्ट्रेलिया को बैकफुट पर धकेला है.

पिछली चार बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का नतीजा

- २०२२/२३: भारत ने २-१ से सीरीज जीती (४ टेस्ट, भारत में)
- २०२०/२१: भारत ने २-१ से सीरीज जीती (४ टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया में)
- २०१८/१९: भारत ने २-१ से सीरीज जीती (४ टेस्ट, ऑस्ट्रेलिया में)
- २०१६/१७: भारत ने २-१ से सीरीज जीती (४ टेस्ट, भारत में)

भारत और ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट रिकॉर्ड

भारत- ५६९ मैच, १७२ जीत, १७५ हार, १ टाई, २२१ ड्रॉ
ऑस्ट्रेलिया- ८५३ मैच, ४०५ जीत, २२९ हार, २ टाई, २१७ ड्रॉ

टीम इंडिया का गोल्डन पीरियड!

पिछले ७-८ साल का रिकॉर्ड देखें तो टीम इंडिया का टेस्ट क्रिकेट में दबदबा देखने को मिला है. विराट कोहली की अगुवाई में जो मिशन शुरू हुआ था, अब रोहित शर्मा की अगुवाई में आगे बढ. रहा है. टीम इंडिया विराट कोहली की अगुवाई में लगातार ४ साल टेस्ट क्रिकेट में नंबर-१ रही थी, साथ ही वह वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के पहले संस्करण में फाइनल में पहुंची थी. अब रोहित शर्मा की अगुवाई में भी टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची है.

ऐसा कम ही देखने को मिला है कि टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया पर इस तरह का दबदबा देखने को मिला है, सिर्फ टीम इंडिया ही नहीं बल्कि किसी भी टीम का ऑस्ट्रेलिया पर इतना बेहतरीन दबदबा बेहद कम देखने को मिलता है. भारत से पहले साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड ही ऐसी टीमें रही हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में कमाल किया है और लगातार ४ या उससे अधिक टेस्ट सीरीज जीती हैं.

इंग्लैंड ने १८८४ से १८९० के बीच ऑस्ट्रेलिया को लगातार ७ टेस्ट सीरीज में हराया था. वेस्टइंडीज. ने १९८३ से १९९३ तक ऑस्ट्रेलिया को लगातार ५ टेस्ट सीरीज में हराया था. और अब भारत ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार ४ बार टेस्ट सीरीज में हराया है. भारत और ऑस्ट्रेलिया के अगर टेस्ट रिकॉर्ड को देखें तो दोनों के बीच अभी तक १०६ टेस्ट मैच हुए हैं. इनमें भारत ने ३२, ऑस्ट्रेलिया ने ४४ जीते हैं. जबकि २९ टेस्ट ड्रॉ हुए हैं, एक मैच टाई भी हुआ है. भारतीय टीम ने पिछले एक दशक में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अधिक जीत दर्ज करना शुरू किया है.

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें अब इंग्लैंड के ओवल में आमने-सामने होंगी. वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप २०२३ के फाइनल में पहुंचने वाली इन टीमों का मैच ७ से ११ जून के बीच खेला जाएगा. यह लगातार दूसरी बार हुआ है, जब टीम इंडिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची है जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए यह पहला मौका है. टीम इंडिया टी-२० वर्ल्ड कप, वनडे वर्ल्ड कप, वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप समेत कई आईसीसी इवेंट्स में लगातार हार चुकी है, ऐसे में अब उसके पास मौका है कि वह आईसीसी ट्रॉफी के १० साल के सूखे को खत्म कर सके.

कब और होगा वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप-२०२३ का फाइनल?

टीमें- **भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया**
तारीख- ७ से ११ जून, २०२३
जगह- द ओवल, लंदन
रिजर्व डे- १२ जून

बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज. २०२३ का हाल

- पहला मैच (नागपुर)- भारत की एक पारी और १३२ रनों से जीत
- दूसरा मैच (दिल्ली)- भारत छह विकेट से जीता
- तीसरा मैच (इंदौर)- ऑस्ट्रेलिया की नौ विकेट से जीत
- चौथा मैच (अहमदाबाद)- मैच ड्रॉ

सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर

१. उस्मान ख्वाजा ऑस्ट्रेलिया ३३३ रन
२. विराट कोहली (भारत)- २९७ रन
३. अक्षर पटेल (भारत)- २६४ रन

सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले प्लेयर

१. रविचंद्रन अश्विन (भारत)- २५ विकेट
२. रवींद्र जडेजा (भारत)- २२ विकेट
३. नाथन लायन (ऑस्ट्रेलिया)- २२ विकेट

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को ५ विकेट से हराया

वनडे सीरीज : राहुल-जडेजा ने मिलकर दिलाई जीत

मुंबई : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। भारतीय टीम टेस्ट सीरीज २-१ से अपने नाम करने के बाद वनडे सीरीज भी जीतने उतरी है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने १८९ रन का लक्ष्य रखा था। भारत ने यह लक्ष्य ३९.५ ओवर में हासिल कर लिया।

भारत ने मुंबई के वानखेड़े में खेले गए पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ३५.४ ओवर में १८८ रन पर सिमट गई थी। कँगारुओं के लिए मिचेल मार्श ने सबसे ज्यादा ८१ रन की पारी खेली थी।

जवाब में भारत ने ३९.५ ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। केएल राहुल ने लय में वापसी की और बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए ९१ गेंदों में ७५ रन की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा रवींद्र जडेजा भी ४५ रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए १०८ रन की नाबाद साझेदारी हुई।

इस जीत के साथ भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में १-० की बढ़त हासिल कर ली है। अब अगला वनडे रविवार को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। वानखेड़े स्टेडियम में टीम इंडिया ने वनडे में ऑस्ट्रेलिया को १६ साल बाद हराया है।

अब तक दोनों के बीच इस मैदान पर पांच वनडे खेले गए हैं। इसमें से भारत ने तीन और ऑस्ट्रेलिया ने दो मुकाबले जीते हैं। टीम इंडिया ने पिछली बार ऑस्ट्रेलिया को इस मैदान पर वनडे में २००७ में हराया था। इसके बाद २०२० में ऑस्ट्रेलिया ने इस मैदान पर भारत को शिकस्त दी थी। अब करीब १६ साल बाद भारत एकबार फिर ऑस्ट्रेलिया को हराने में कामयाब रहा है। केएल राहुल ने ७४ गेंदों पर अर्धशतक जड़ा। यह उनके वनडे करियर का १३वां अर्धशतक रहा। ३५ ओवर के बाद भारत का स्कोर पांच विकेट पर १५० रन है। दोनों के बीच ६०+ रन की साझेदारी की। भारत को २०वें ओवर में ८३ के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। मार्कस स्टोइनिस ने हार्दिक पांड्या को कैमरून ग्रीन के हाथों कैच कराया। हार्दिक ३१ गेंदों में २५ रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने केएल राहुल के साथ पांचवें विकेट के लिए ५५ गेंदों में ४४ रन की साझेदारी निभाई।

ऑस्ट्रेलियाई पारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही थी। ट्रेविस हेड पांच रन बनाकर सिराज का शिकार बने थे। इसके बाद मिचेल मार्श और कप्तान स्टीव स्मिथ ने दूसरे विकेट के लिए ७२ रन की साझेदारी निभाई थी। स्मिथ को हार्दिक पांड्या ने विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच कराया। वह २२ रन बना सके। इसके बाद मार्श ने लाबुशेन के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए ५२ रन की साझेदारी निभाई। मार्श को जडेजा ने सिराज के हाथों कैच कराया। वह ६५ गेंदों में १० चौके और पांच छक्के की मदद से ८१ रन की ताबड़तोड़ पारी खेलकर पवेलियन लौटे।

मार्श के आउट होते ही पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ढह गई। लाबुशेन को कुलदीप ने जडेजा के हाथों कैच कराया। वह १५ रन बना सके। इसके बाद मोहम्मद शमी का कहर देखने को मिला। उन्होंने अपने तीन ओवर में तीन विकेट लिए। सबसे पहले २८वें ओवर में जोश इंग्लिस को बोल्ड किया। इंग्लिस २६ रन बना सके। इसके बाद ३०वें ओवर में कैमरन ग्रीन को बोल्ड किया। ग्रीन १२ रन बना सके। फिर ३२वें ओवर में मार्कस स्टोइनिस को स्लिप में शुभमन गिल के हाथों कैच कराया। स्टोइनिस पांच रन बनाकर आउट हुए। जडेजा ने मैक्सवेल को हार्दिक के हाथों कैच कराया। मैक्सवेल आठ रन बना सके। वहीं, सिराज ने शॉन एबॉट और एडम जाम्पा को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई पारी को १८८ रन पर समेट दिया। शमी और सिराज ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि जडेजा को दो विकेट मिला। हार्दिक और कुलदीप ने एक-एक विकेट लिया।

इरफान पठान ने पत्नी के साथ शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

नई दिल्ली : इरफान पठान इंटरनेशनल किकेटर से संन्यास लेने के बाद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. इरफान इंस्टाग्राम पर अपने परिवार के साथ कई मजेदार रील्स और तस्वीरें शेयर करते रहते हैं. इरफान अपनी पत्नी सफा बेग के साथ भी अक्सर रोमांटिक कैप्शन के साथ तस्वीरें शेयर करते रहते हैं. हालांकि, इन तस्वीरों में सफा का चेहरा हमेशा ही नकाब से ढका रहता है. लेकिन इस बार इरफान पठान ने बिना नकाब पहने सफा बेग की तस्वीर पोस्ट कर दी है. इस पोस्ट पर अब फैन्स जमकर कमेंट्स कर रहे हैं.

भारतीय किकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने अपनी पत्नी सफा बेग के साथ एक तस्वीर शेयर की. इस तस्वीर में सफा बिना नकाब के नजर आ रही हैं. हालांकि, सफा का सिर्फ आधा ही चेहरा नजर आ रहा है, क्योंकि वह इरफान के पीछे आधी छिपी हुई हैं. इरफान पठान की नई तस्वीर पर फैन्स जमकर कमेंट कर रहे हैं और उन्हें पत्नी का नकाब हटाने के लिए ट्रोल भी कर रहे हैं.

युवराज ने पंत के साथ शेयर की तस्वीर

बोले- जल्द ही फिट होकर मैदान पर करेंगे वापसी

मुंबई : भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह का कहना है कि फिटनेस की प्रक्रिया से गुजर रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जल्द ही वापसी आकर नई चमक बिखेरेंगे। पंत दिसंबर में एक कार दुर्घटना में घायल हो गए थे।

युवराज सिंह ने शुक्रवार को उनसे मुलाकात की। खेलों के इतिहास में खुद एक शानदार वापसी करने वाले युवराज जानते हैं कि वापसी करना आसान नहीं होता। युवराज २०११ में भारत को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। उसके बाद उनके कैंसर का पता लगा।

उन्होंने अमेरिका में इलाज कराया और फिर भारतीय टीम में वापसी करने में सफल रहे। अपने ट्विटर पर युवराज ने कहा कि यह चैंपियन खिलाड़ी फिर से उबरेगा। वह तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं। वे काफी सकारात्मक और हंसमुख खिलाड़ी हैं। आपको और ताकत मिले ऋषभ।

आईपीएल २०२४ में भी खेल सकते हैं धोनी, रैना ने दिए संकेत

नई दिल्ली : भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन आईपीएल में खेल रहे हैं। ४१ साल के धोनी आईपीएल २०२३ में भी चेन्नई की कप्तानी करेंगे और वह तैयारी में जुटे हुए हैं। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से धोनी के संन्यास के बाद आईपीएल से भी उनके संन्यास की बातें जोरों पर हैं। पिछले सीजन धोनी ने अपनी टीम की कप्तानी छोड़ दी थी और जडेजा को सीएसके की कमान सौंपी गई थी। हालांकि, जडेजा कप्तानी का दबाव नहीं झेल सके और बीच में ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद धोनी फिर से टीम के कप्तान बन गए।

जब धोनी ने जडेजा को कप्तान बनाया था तो ऐसा माना जा रहा था कि वह अपने संन्यास की तैयारी कर रहे हैं और बतौर कप्तान जडेजा को तैयार करके वह संन्यास ले लेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी धोनी ने संन्यास लेने से पहले विराट कोहली को बतौर कप्तान तैयार किया था। हालांकि, आईपीएल में ऐसा नहीं हुआ और धोनी अभी भी खेल रहे हैं।

धोनी पहले ही यह साफ कर चुके हैं कि उनके जीवन का आखिरी मैच चेन्नई के मैदान पर घरेलू के बीच होगा। उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए यह साफ है जल्द ही उन्हें क्रिकेट को अलविदा कहना होगा। हालांकि, सुरेश रैना की सोच इस मामले में काफी अलग है। रैना का मानना है कि धोनी आईपीएल २०२४ भी खेल सकते हैं।

टाटा महिला प्रीमियर लीग

गुजरात जाएंट्स ११ रन से जीता

आखिंरी १३ गेंदों में १३ रन नहीं बना सकी दिल्ली की टीम, प्लेऑफ की रेस में बरकरार

मुंबई : महिला प्रीमियर लीग के १४वें मैच में गुजरात जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को ११ रन से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने २० ओवर में चार विकेट गंवाकर १४७ रन बनाए थे। एल वोल्वार्ड्ट ने ५७ रन और एश्ले गार्डनर ने नाबाद ५१ रन की पारी खेली थी। जवाब में दिल्ली की टीम १८.४ ओवर में १३६ रन पर ऑलआउट हो गई।

गुजरात प्लेऑफ की रेस में बरकरार

इस जीत के साथ गुजरात की टीम प्लेऑफ की रेस में बरकरार है। टीम छह मैचों में दो जीत और चार हार के साथ चार अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। वहीं, दिल्ली की टीम प्लेऑफ में पहुंचने से चूक गई। उसे बस एक जीत की जरूरत है। दिल्ली छह मैचों में चार जीत और दो हार और आठ अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है।

गार्डनर प्लेयर ऑफ द मैच

गार्डनर को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब गुजरात की टीम १८ मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से भिड़ेगी। वहीं, दिल्ली की टीम २० को मुंबई इंडियंस का सामना करेगी। १८ और २० मार्च को डबल हेडर मुकाबले यानी एक दिन में दो मैच खेले जाएंगे।

१३ गेंदों में १३ रन नहीं बना सकी दिल्ली की टीम

एक वक्त दिल्ली ने आठ विकेट पर १३५ रन बना लिए थे। तब उन्हें १३ गेंदों में १३ रन की जरूरत थी। तब अरुंधति रेड्डी और शिखा पांडे क्रीज पर थीं और दोनों के बीच ३५ रन की साझेदारी हो चुकी थी। इसके बाद किम गर्थ ने अरुंधति रेड्डी को आउट कर मैच पलट दिया। रेड्डी १७ गेंदों में चार चौके की मदद से २५ रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद अगले ओवर में गार्डनर ने पूनम यादव (०) को आउट कर गुजरात को जीत दिलाई।

गुजरात की पारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने २० ओवर में चार विकेट गंवाकर १४७ रन बनाए थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टीम की शुरुआत खराब रही थी। पहले ओवर में ही मारिजाने कैप्प ने सोफिया डंकले को पवेलियन भेजा था। डंकले चार रन बना सकी थीं।

इसके बाद एल वोल्वार्ड्ट और हरलीन देओल के बीच दूसरे विकेट के लिए ४९ रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को जेस जोनासेन ने तोड़ा। उन्होंने हरलीन देओल को विकेटकीपर तानिया भाटिया के हाथों कैच कराया। इसके बाद एश्ले गार्डनर ने वोल्वार्ड्ट के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए ८१ रन की साझेदारी निभाई।

इस पार्टनरशिप को अरुंधति रेड्डी ने तोड़ा। उन्होंने वोल्वार्ड्ट को बोल्ड किया। एल वोल्वार्ड्ट थझङ ऑक्शन में अनसोल्ड रही थीं। हालांकि, बेथ मूनी के चोटिल होने के बाद वोल्वार्ड्ट को गुजरात की टीम में शामिल किया गया। अब वह टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही हैं। वोल्वार्ड्ट ने लीग में अपने दूसरे ही मैच में अर्धशतक जड़ा। वह ४५ गेंदों में ५७ रन बनाकर आउट हुईं। अपनी पारी में उन्होंने छह चौके और एक छक्का लगाया।

वोल्वार्ड्ट हाल ही में हुए महिला टी२० विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रही थीं। उनके अलावा एश्ले गार्डनर ने तूफानी पारी खेली। गार्डनर ३३ गेंदों में नौ चौके की मदद से ५१ रन बनाकर नाबाद रहीं। दिल्ली की ओर से जोनासेन ने दो विकेट लिए। वहीं, मारिजाने कैप्प और अरुंधति रेड्डी को एक-एक विकेट मिला।

दिल्ली की पारी

१४८ रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की टीम के लिए सिफ चार बल्लेबाद दहाई का आंकड़ा छू सके। इनमें कप्तान मेग लैनिंग (१८), एलिस कैप्सी (२२), मारिजाने कैप्प (३६) और अरुंधति रेड्डी (२५) शामिल हैं। इनके अलावा कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका।

शेफाली वर्मा (८), जेमिमा रॉड्रिग्स (१), जेस जोनासेन (४), तानिया भाटिया (१), राधा यादव (१), पूनम यादव (०) कुछ खास नहीं कर सकीं। शिखा पांडे आठ रन बनाकर नाबाद रहीं। गुजरात की ओर से किम गर्थ, तनुजा कांवर और गार्डनर को दो-दो विकेट मिले। वहीं, कप्तान स्नेह राणा और हरलीन देओल को एक-एक विकेट मिला।

रोहित शर्मा WTC Final के लिए अभी से परेशान

कंगारुओं को घेरने की तैयारी की शुरू लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली : भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के आखिरी टेस्ट मैच के पांचवें दिन लंच से कुछ पहले खबर आई कि टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गई है. अहमदाबाद टेस्ट ड्रॉ होने के साथ ही कप्तान रोहित शर्मा बडे. मुकाबले की तैयारियों में जुट गए, जहां सामना कंगारुओं से ही होना है. आईपीएल की शुरुआत ३१मार्च से होगी. इसमें जिन भारतीय खिलाडियों की टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाएंगी, वे प्लेयर्स वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पहले लंदन में २ सप्ताह के कैंप में भाग ले सकते हैं. हिटमैन ने फाइनल में खेलने वाले अपने बॉलर्स को खास गेंद भेजने का भी फैसला किया है.

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, २१ मई के आसपास ६ टीमें होंगी जो तकरीबन आईपीएल प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएंगी. ऐसे में जो भी खिलाडी उपलब्ध होंगे, हम कोशिश करेंगे वे जल्द से जल्द इंग्लैंड पहुंच जाएं. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल ७ जून से ओवल मैदान में खेला जाएगा.

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने लिया संन्यास

होबार्ट : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने शेफील्ड शील्ड में तस्मानिया के क्वींसलैंड के साथ हुए मैच के बाद खेल से संन्यास की घोषणा कर दी। विकेटकीपर पेन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए २०१८ से २०२१ तक २३ टेस्ट मैचों में कप्तानी की।

उन्होंने कुल मिलाकर ३५ टेस्ट मैच खेले। उन्हें २०१८ में स्मिथ के गेंद से छेड़खानी प्रकरण में कप्तानी से हटाए जाने के बाद दायित्व सौंपा गया था। पेन को २०२१ में उस समय कप्तानी छोड़नी पड़ी क्योंकि उन पर तस्मानिया की एक कर्मचारी को अभद्र संदेश भेजने के आरोप लगे थे।

पेन ने लार्ड्स में २०१० में पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट खेला। उन्होंने ३२.६३ की औसत से ३५ टेस्ट में १५३४ रन बनाए जिसमें ९२ उनका श्रेष्ठ स्कोर था। उन्होंने विकेट के पीछे १५७ शिकार किए। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलिया के लिए ३५ वनडे और १२ टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी खेले। इससे पहले पिछले साल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुरुष खिलाड़ियों के लिए नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से टिम पेन समेत कई खिलाड़ियों को बाहर कर दिया था। इनमें पेन के अलावा ऑलराउंडर मोइसेस हेनरिक्स, बल्लेबाज बेन मैकडरमॉट जैसे खिलाड़ी शामिल थे। टिम पेन का नाम सेक्स स्कैंडल में फसने के कारण हटाया गया था। सेक्स स्कैंडल में नाम आने के बाद ही पेन ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था।

स्वत्वाधिकार लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड हेतु, **प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक : स्वप्नील शंभरकर** द्वारा अरुणोदय प्रेस, कॉटन मार्केट, नागपूर - 440018 से मुद्रित कर, लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177, A/G योगी अरविन्द नगर, कामठी रोड, नागपूर - ४४००२६ से प्रकाशित। **संपादक : स्वप्नील शंभरकर,** संपर्क - 09545924968, *पी आर बी कानून के तहत सम्पूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार। RNI Reg. No.-MHHIN/2017/74134